▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 278 ▸▸मुंबई, सोमवार, 15 दिसंबर 2025 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने बताया यहूदी-विरोधी हमला

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने इसे यहूदियों के खिलाफ कायराना और घृणित आतंकी हमला बताया। उन्होंने कहा कि नफरत और हिंसा के लिए ऑस्ट्रेलिया में कोई जगह नहीं है। न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिन्स ने शांति और एकता बनाए रखने की अपील की है।

जांच जारी, सुरक्षा कड़ी

ऑस्ट्रेलियाई एजेंसियां पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हैं। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि इस तरह की आतंकी घटनाएं दोबारा न हों। बॉन्डी बीच पर हुआ यह हमला न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया, बल्कि पूरी दुनिया के लिए आतंक और नफरत के खिलाफ एक चेतावनी बनकर सामने आया है।

सिडनी के बॉन्डी बीच पर आतंकी हमला

हनुक्का उत्सव में 12 की मौत, विश्व नेताओं ने जताया शोक

एजेंसी । सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बॉन्डी बीच पर रविवार को हुए भीषण आतंकी हमले ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। हनुक्का पर्व मना रहे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर की गई अंधाधुंध गोलीबारी में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 29 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में दो पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं, जिनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

हनुक्का समारोह की खुशियों पर मातमी सन्नाटा

घटना के वक्त बॉन्डी बीच पर करीब 1,000 लोग हनुक्का उत्सव में शामिल थे। तभी ऑटोमैटिक राइफलों से लैस दो बंदूकधारियों ने अचानक भीड़ पर फायरिंग शुरू कर दी। कुछ ही मिनटों में उत्सव का माहौल चीख-पुकार और अफरातफरी में बदल गया। पुलिस ने एक हमलावर को मौके पर ही मार गिराया, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में गिरफ्तार कर लिया गया है। न्यू साउथ वेल्स के पुलिस कमिश्नर मैल लैन्योन ने इस हमले को आतंकवादी घटना करार दिया है। उन्होंने बताया कि मृत हमलावर की कार से इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) भी बरामद हुई है। बम निरोधक दस्ते को तैनात कर दिया गया है और यह जांच की जा रही है कि क्या हमले में कोई तीसरा आतंकी भी शामिल था।

यहूदी नेता आर्सेन ऑस्ट्रोव्स्की घायल

हमले में यहूदी समुदाय के प्रमुख नेता आर्सेन ऑस्ट्रोव्स्की भी घायल हुए हैं। उनके सिर में गोली लगी है और अस्पताल में इलाज जारी है। आर्सेन वही व्यक्ति हैं जो 7 अक्टूबर 2023 के हमास हमले में बाल-बाल बचे थे। उन्होंने बताया कि अचानक गोलियां चलने लगीं और लोग जान बचाने के लिए जमीन पर लेट गए। जांच में सामने आया है कि कथित हमलावरों में से एक की पहचान 24 वर्षीय नवीद अकरम के रूप में हुई है, जो पाकिस्तान के लाहौर का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस ने सिडनी में उसके घर पर छापा मारा है और अंतरराष्ट्रीय आतंकी कनेक्शन की जांच तेज कर दी गई है।

विश्व समुदाय ने जताया गहरा दुख

इस हमले पर भारत, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, इजराइल, पाकिस्तान, क़तर, यूरोपीय यूनियन और संयुक्त राष्ट्र समेत कई देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने गहरा शोक जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत इस दुख की घड़ी में ऑस्ट्रेलिया के साथ मजबूती से खड़ा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इसे शांति और रोशनी के पर्व पर हुआ भयावह हमला बताया। यूरोपीय यूनियन अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप यहूदी-विरोध और हिंसा के खिलाफ एकजुट है। ब्रिटेन, फ्रांस और इटली के नेताओं ने भी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

किसानों के हितों के लिए सरकार कटिबद्ध कर्ज भी माफ होगा : सीएम फडणवीस

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा, लेकिन इसके लिए थोड़ा समय लगेगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि वर्तमान में सरकार आर्थिक संकट से गुजर रही है, इसलिए तुरंत कर्ज माफी की घोषणा नहीं की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार का उद्देश्य किसानों को लोन माफी का लाभ सीधे मिलना चाहिए, बैंकों को नहीं। उन्होंने कहा कि 2017 और 2020 में भी किसानों का कर्ज माफ किया गया था, लेकिन अब भी किसानों की मांग जारी है। इसलिए इस मुद्दे पर एक कमेटी काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में किसानों को राहत देने के कार्यक्रमों का किया खुलासा

किसानों को दी गई राहत

फडणवीस ने बताया कि इस समय भारी बारिश से प्रभावित किसानों को सरकार मदद पहुंचा रही है। इसके तहत किसानों के सीधे अकाउंट में 15,700 करोड़ रुपये की मदद भेजी गई है। इस राशि से 92 लाख किसानों के अकाउंट में फसल का पैसा पहुंचा। इसके अलावा 27,000 कुओं की मरम्मत के लिए 80 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए।

सरकार का बड़ा पैकेज

सरकार ने किसानों के लिए कुल 32,000 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें से 10,000 करोड़ रुपये इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए और बाकी राशि सीधे किसानों को मदद के तौर पर दी गई। पैकेज में तीन हेक्टेयर तक की सीमा रखी गई थी। रबी सीजन के लिए हर हेक्टेयर पर 10,000 रुपये अतिरिक्त सहायता का निर्णय लिया गया।

पशुपालन और नरेगा योजनाओं के तहत सहायता

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पशुपालकों को उनके पशुओं के नुकसान के लिए पूरा पैसा दे दिया गया है। नरेगा के तहत कार्य जारी हैं। इसके अलावा पब्लिक यूटिलिटीज, बिजली, सड़क, बिल्डिंग, छोटे और मीडियम तालाबों की मरम्मत और निर्माण कार्यों के लिए भी पर्याप्त निधि उपलब्ध कराई गई है।

धर्मशाला में टीम इंडिया का धमाका

साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हराकर सीरीज में बनाई बढ़त

एजेंसी । धर्मशाला

टीम इंडिया ने धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20 मैच में साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की और पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली। भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ।टीम इंडिया के गेंदबाजों ने साउथ अफ्रीका को 117 रन पर ढेर कर मुकाबले में बहुमूल्य बढ़त दिलाई। अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिए, जबकि हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने एक-एक सफलता हासिल की। जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल की अनुपस्थिति में भी भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी रही कमजोर

साउथ अफ्रीका की टीम 20 ओवर में केवल 117 रन ही बना सकी। कप्तान एडन मार्करम ने 46 गेंदों में 61 रन बनाए, लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका। क्विंटन डिकॉक 1 और डेवाल्ड ब्रेविस 2 रन बनाकर आउट हुए, जबकि ओपनर रीजा हेंड्रिक्स खाता भी नहीं खोल सके। डोनोवन फरेरा ने 20 और एनरिक नॉर्खिया ने 12 रन जोड़े। टीम इंडिया ने 15 .5 ओवर में 120 रन बनाकर 7 विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

ब्रीफ न्यूज़

सूडान में UN इमारत पर ड्रोन हमला

सूडान। सूडान के दक्षिणी कोर्डोफान प्रांत में संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक इमारत पर हुए ड्रोन हमले में 6 संयुक्त राष्ट्र पीसकीपर्स की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी मृतक और घायल पीसकीपर्स बांग्लादेश के नागरिक बताए गए हैं। यह हमला प्रांत की राजधानी कादुगली में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (UNISFA) के कैंप पर हुआ। यूएनआईएसएफए ने बताया कि ड्रोन हमले में 6 सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 6 अन्य घायल हुए हैं, जिनमें से चार की हालत नाजुक बनी हुई है। घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता दी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि पीसकीपर्स पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध की श्रेणी में आ सकता है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी कोर्डोफान में शांति सैनिकों को निशाना बनाना किसी भी सूरत में जायज नहीं ठहराया जा सकता।

अक्षरधाम में हिंदू ग्रंथों की प्रार्थनाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन

नई दिल्ली। स्वामिनारायण अक्षरधाम स्थित बीएपीएस स्वामिनारायण शोध संस्थान द्वारा रविवार को "हिंदू ग्रंथों में प्रार्थनाएं: दार्शनिक, साहित्यिक और भक्ति आयाम" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में देशभर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े विद्वानों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों और छात्रों ने भाग लेकर सनातन ग्रंथों में प्रार्थना की अवधारणा पर गहन विचार-विमर्श किया। सम्मेलन का उद्घाटन बीएपीएस स्वामिनारायण शोध संस्थान के सहायक निदेशक डॉ. ज्ञानानंददास स्वामी ने किया। उन्होंने सम्मेलन के विषय की दार्शनिक प्रासंगिकता और समकालीन संदर्भ में उसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। संस्थान के अध्यक्ष महामहोपाध्याय भद्रेशदास स्वामी ने वीडियो संदेश के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित किया।

मुंबई की तिजोरी पर डाका डालने वाला 'रहमान डकैत' कौन?

एकनाथ शिंदे का उबाठा पर तीखा वार

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उबाठा गुट के नेतृत्व पर कड़ा हमला बोलते हुए सवाल उठाया कि आखिर मुंबई की तिजोरी पर डाका डालने वाला 'रहमान डकैत' कौन है? उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनाव में महायुति ही असली 'धुरंधर' साबित होगी और जनता ऐसे तत्वों को करारा जवाब देगी। शीतकालीन अधिवेशन के अंतिम सप्ताह के प्रस्ताव पर जवाब देते हुए शिंदे ने कहा कि सरकार विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं को पूरी गति से आगे बढ़ा रही है, जबकि विपक्ष निराधार आरोपों तक सीमित रह गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कुछ नेता नागपुर सिर्फ "पर्यटन" के लिए आते हैं-आज आते हैं, कल चले जाते हैं-न सवाल पूछते हैं, न जनता के मुद्दों पर बोलते हैं।

नेतृत्व और पद की राजनीति पर कटाक्ष

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष लंबे समय तक केवल विरोधी दल का नेता पद पाने में जुटा रहा, जबकि उसके लिए जरूरी जनसमर्थन उनके पास नहीं था। उपमुख्यमंत्री पद खत्म करने की मांग करने वालों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की शपथ के वक्त भी मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री पद मौजूद था-यह उनकी सुविधाजनक भूल और हताशा को दर्शाता है।

मुंबई के लिए बड़े फैसले

मुंबई से जुड़े अहम निर्णयों का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा कि सरकार ने-ओसी रहित 20 हजार इमारतों को राहत,पगड़ी-मुक्त मुंबई की दिशा में कदम,13 हजार इमारतों के पुनर्विकास का रास्ता,नेशनल पार्क क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए वैकल्पिक आवास,मिल जमीन पुनर्विकास नियमों में सुधार,सिडको घरों की कीमतों में 10% की कटौती, बड़े भूखंडों पर क्लस्टर पुनर्विकास को बढ़ावा जैसे ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। उन्होंने कहा कि बाळासाहेब ठाकरे का सपना-40 लाख झोपड़पट्टीवासियों को घर-साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। वर्षों तक सत्ता में रहने वालों ने मुंबई को केवल लूट का माध्यम बनाया।

नितिन नबीन बने बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष, पार्टी ने दी नई दिशा

नई दिल्ली। बीजेपी ने नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। 45 वर्षीय नबीन बीजेपी के सबसे युवा नेता हैं, जिन्हें पार्टी की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी दी गई है। नितिन नबीन की नियुक्ति यह साफ करती है कि बीजेपी अब भविष्य की लीडरशिप और नई पीढ़ी पर जोर दे रही है। युवा, आक्रामक और संगठन से जुड़े नबीन को युवाओं को पार्टी से जोड़ने में महारत हासिल है। बीजेपी ने नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर संदेश दिया है कि कड़ी मेहनत और ईमानदारी से पार्टी में शीर्ष पद हासिल किया जा सकता है। नबीन का लो-प्रोफाइल और विवादमुक्त अनुभव संगठन को मजबूती देगा।

संघ और बीजेपी की पसंद

नबीन आरएसएस और बीजेपी की विचारधारा में पले-बढ़े हैं और उनके पिता नवीन किशोर सिन्हा भी पार्टी से जुड़े रहे। एबीवीपी और युवा मोर्चा से अनुभव रखने वाले नबीन को पार्टी ने रणनीतिक रूप से शीर्ष पद सौंपा है। इस नियुक्ति से बीजेपी ने युवा नेतृत्व, संगठनिक मजबूती और चुनावी रणनीति के तीनों मोर्चों पर नई दिशा तय कर दी है।

सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं के लिए प्रीपेड मीटर नहीं लगाए जाएंगे: मुख्यमंत्री

▸▸फडणवीस ने विधानसभा में दी जानकारी, स्मार्ट मीटर में पोस्टपेड विकल्प जारी रहेगा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को विधानसभा में स्पष्ट किया कि राज्य में सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं के लिए प्रीपेड मीटर नहीं लगाए जाएंगे। इससे नागरिकों को राहत मिलेगी और बिजली बिल की प्रक्रिया सरल बनी रहेगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने का निर्णय केंद्र सरकार की योजना के तहत लिया गया था। प्रारंभ में प्रत्येक उपभोक्ता के लिए प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बड़े पैमाने पर आपत्तियों के बाद राज्य सरकार ने इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्णय लिया।

उपभोक्ताओं को मिलने वाले लाभ

मुख्यमंत्री ने बताया कि स्मार्ट मीटर स्वीकार करने वाले उपभोक्ताओं को बिजली बिल में 10 प्रतिशत की छूट मिल रही है। इसके अलावा स्मार्ट मीटर के माध्यम से मोबाइल ऐप पर प्रति घंटे बिजली उपयोग का विवरण देखा जा सकता है, जिससे खपत की निगरानी आसान हो गई है। 24 घंटे की शिकायत निवारण सेवा भी उपलब्ध है। अब तक लगाए गए स्मार्ट मीटरों में एक प्रतिशत से भी कम त्रुटियाँ पाई गई हैं। फडणवीस ने स्पष्ट किया कि अगले पांच वर्षों तक स्मार्ट मीटर पोस्टपेड स्वरूप में ही रहेंगे।

वोट चोरी रैली में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

एजेंसी । नई दिल्ली

राजधानी के रामलीला मैदान में 'वोट चोरी' के मुद्दे पर आयोजित कांग्रेस की रैली में पार्टी ने जोरदार हुंकार भरी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरएसएस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला करते हुए कहा कि देश में सत्य और सत्ता के बीच लड़ाई चल रही है और कांग्रेस सत्य के साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने अंडमान-निकोबार में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के कथित बयान का हवाला देते हुए कहा कि संघ की सोच सत्य की नहीं, सत्ता की है। उन्होंने कहा कि दुनिया के हर धर्म में सत्य को सर्वोच्च माना गया है, लेकिन आरएसएस सत्ता को प्राथमिकता देता है।

राहुल गांधी ने मोदी-शाह और RSS पर साधा निशाना

मोदी-शाह को सत्ता से हटाएंगे

राहुल गांधी ने कहा, 'हमारे धर्म में 'सत्यम शिवम सुंदरम' कहा गया है। यह देश सत्य का है और जनता सत्य को समझती है। मैं गारंटी देता हूं कि हम सत्य के साथ नरेंद्र मोदी, अमित शाह और RSS की सरकार को सत्ता से हटाएंगे।' राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर बीजेपी के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कानून बदला गया, जिससे उन पर कार्रवाई संभव न रहे। हम इस कानून को बदलेंगे और सच्चाई की लड़ाई लड़ेंगे। गृह मंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सदन में उनके हाथ कांप रहे थे। "वे तभी तक बहादुर हैं, जब तक सत्ता उनके हाथ में है। सत्ता गई, तो बहादुरी भी चली जाएगी।

प्रियंका गांधी की बीजेपी को चुनौती

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि संसद में राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत पर बहस होती है, लेकिन बेरोजगारी, महंगाई और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर चर्चा की हिम्मत नहीं की जाती। उन्होंने बीजेपी को बैलेट पेपर से निष्पक्ष चुनाव लड़ने की चुनौती देते हुए कहा कि तब वे जीत नहीं पाएंगे। प्रियंका गांधी ने कहा कि इतिहास में पहली बार पूरा विपक्ष कह रहा है कि उसे चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं रहा। चुनाव प्रक्रिया के हर कदम को संदिग्ध बना दिया गया है। आज देश की हर संस्था को मोदी सरकार ने अपने सामने झुका दिया है।

भारत में हाई अलर्ट, हनुक्का पर्व पर संभावित आतंकी साजिश पर सुरक्षा बढ़ाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के बाद भारत के बड़े शहरों में सुरक्षा अलर्ट बढ़ा दिया गया है। यह चेतावनी यहूदी समुदाय के पर्व हनुक्का के दौरान संभावित आतंकी हमले को लेकर मिली है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।

सुरक्षा कड़ी

धार्मिक स्थल, दूतावास, यहूदी केंद्र, होटल और एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली और मुंबई में अतिरिक्त पुलिस बल, CCTV निगरानी और चेकिंग बढ़ाई गई है, जबकि एनएसजी और एटीएस जैसी विशेष इकाइयों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है।

सावधानी के निर्देश

सुरक्षा एजेंसियों ने नागरिकों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत देने की अपील की है। होटल, मॉल और कार्यक्रम आयोजकों को सुरक्षा नियमों का पालन सख्ती से करने के निर्देश दिए गए हैं। यह कदम सिडनी के बॉन्डी बीच हालिया हमले के बाद और भी अहम हो गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

राष्ट्रीय लोक अदालत में उल्हासनगर यातायात विभाग का प्रभावी प्रदर्शन

उल्हासनगर। सम्मानित वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में उल्हासनगर यातायात विभाग ने 13 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाथ, पोहवा मोगरे, नाना अव्हाड, भरत खांडेकर और यातायात वार्डन राहुल ससाने ने इस कार्य में सक्रिय रूप से भाग लिया। राष्ट्रीय लोक अदालत के अंतर्गत कुल 612 यातायात मामलों का पंजीकरण किया गया है, जिनमें से 4,04,400 रुपये जुर्माने के रूप में सरकारी खजाने में जमा किए गए हैं। इस पहल से लंबित यातायात मामलों के निपटारे में तेजी लाकर नागरिकों को राहत मिली है और कानून के प्रति जन जागरूकता भी बढ़ी है। उल्हासनगर परिवहन विभाग के इस कार्य की वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सराहना की जा रही है, और भविष्य में भी इसी तरह के प्रभावी अभियान चलाने का इरादा व्यक्त किया गया है।

एनबीटी प्रमुख का लक्ष्य: साल के 365 दिन पढ़ने की संस्कृति विकसित करना

पुणे। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) के अध्यक्ष मिलिंद मराठे ने रविवार को कहा कि ट्रस्ट की योजना पुस्तक महोत्सवों को 'टियर-3' शहरों तक फैलाना और साल के सभी 365 दिन पढ़ने की संस्कृति को विकसित करना है। इसके लिए देशभर में पुस्तकालयों को मजबूत करने की तैयारी की जा रही है। मराठे ने पुणे पुस्तक महोत्सव के दौरान बताया कि इस महोत्सव का तीसरा संस्करण अब एक जन आंदोलन में बदल चुका है। करीब 750 प्रकाशक इसमें हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें विभिन्न विषयों की किताबें उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, "यह अब केवल एनबीटी का महोत्सव नहीं रह गया। पुणे के लोगों ने इसे दिल से अपनाया है, जो भारी संख्या में आने वाले लोगों, उत्साहपूर्ण भागीदारी और पुस्तकों की खरीद से स्पष्ट होता है।" नौ दिवसीय महोत्सव में बच्चों के लिए विशेष स्थान निर्धारित किया गया है। यहां कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए पढ़ने की आदतें, कहानी सुनाना, कार्टून और पोस्टर बनाना, पुस्तकों की सराहना करना जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। 'एन ऑथर कॉर्नर' में लगभग 54 पुस्तकों का विमोचन होगा और कई चर्चा सत्र भी होंगे। 16 से 21 दिसंबर तक चलने वाले पुणे साहित्य महोत्सव में तीन दिन मराठी साहित्य और शेष तीन दिन हिंदी और अंग्रेजी साहित्य को समर्पित होंगे। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान इस साहित्य महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। मिलिंद मराठे ने कहा कि इन पहलुओं के माध्यम से पढ़ने की संस्कृति को सालभर सक्रिय रखने और नए पाठक वर्ग को जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में डिजिटल सुधार: AI और जियो-टैगिंग से तेज होगा सरकारी काम

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार अब तकनीक का सहारा लेकर सरकारी कामकाज को तेज और पारदर्शी बनाने जा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), डेटा एनालिसिस और जियो-टैगिंग के जरिए परियोजनाओं की मॉनिटरिंग सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से की जाएगी। मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि विकसित महाराष्ट्र का लक्ष्य ऐसा प्रशासन है, जो उत्तरदायी हो और आम आदमी की आवाज को सर्वोपरि रखे। डिजिटल सुधार और ई-गवर्नेंस से फाइलों का अटका रहना और योजनाओं की देरी अब बीते समय की बात होगी।

मेंटल हॉस्पिटल की विरासत बचाने की गुहार

डॉ. प्रशांत की मुख्यमंत्री से भावुक अपील

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे रीजनल मेंटल हॉस्पिटल के रिकंस्ट्रक्शन की पृष्ठभूमि में पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत रवींद्र सिनकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से ब्रिटिश-कालीन दुर्लभ विरासत को बचाने की भावुक अपील की है। उन्होंने कहा है कि अस्पताल के आधुनिकीकरण के साथ-साथ वहां मौजूद ऐतिहासिक इमारतों, मेडिकल सुपरिटेंडेंट के पुराने कार्यालय और रिकंस्ट्रक्शन के दौरान मिली प्राचीन मूर्तियों को सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

आधुनिकीकरण का स्वागत, लेकिन विरासत से समझौता नहीं

डॉ. सिनकर ने माना कि तेजी से विकसित होते ठाणे शहर को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है और उन्होंने साइकेट्रिक हॉस्पिटल को अपग्रेड करने के फैसले का स्वागत भी किया। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री का ध्यान इस ओर दिलाया कि 125 साल पुराने इस संस्थान की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को केवल विकास के नाम पर खत्म नहीं किया जाना चाहिए।

ब्रिटिश-कालीन संरचनाएं ठाणे की सांस्कृतिक स्मृति

बयान में बताया गया कि अस्पताल परिसर में मौजूद ब्रिटिश-कालीन संरचनाएं, दीवारों पर की गई नक्काशी, साधु नर्तकों की पेंटिंग और पुनर्निर्माण के दौरान मिली पुरानी मूर्तियां ठाणे की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा हैं। खास तौर पर ब्रिटिश-काल का मेडिकल सुपरिटेंडेंट कार्यालय ऐतिहासिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसे एक हेरिटेज स्ट्रक्चर के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए।

आने वाली पीढ़ियों के लिए इतिहास को संजोने की जरूरत

डॉ. सिनकर ने कहा कि यदि नए, अत्याधुनिक अस्पताल के निर्माण के दौरान कम से कम एक-दो पुराने स्ट्रक्चर को बचाकर रखा जाए, तो आने वाली पीढ़ियां खुद अनुभव कर सकेंगी कि मानसिक अस्पताल पहले कैसे हुआ करते थे। उनका मानना है कि ऐसा निर्णय न सिर्फ अतीत को संजोएगा, बल्कि भविष्य के लिए भी दूरदर्शी साबित होगा।

मूर्तियों की विशेषज्ञ जांच और संरक्षण की मांग

उन्होंने यह भी मांग की कि ब्रिटिश-काल की मिली मूर्तियों और कलाकृतियों की तुरंत पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञों से जांच कराई जाए, ताकि उनका ऐतिहासिक महत्व तय हो सके और उन्हें आवश्यक सुरक्षा प्रदान की जा सके। डॉ. सिनकर को भरोसा है कि मुख्यमंत्री की संवेदनशील नेतृत्व क्षमता से ठाणे के लोगों की भावनाओं को न्याय मिलेगा।

विकास और विरासत में संतुलन ही सच्ची तरक्की

प्रसिद्ध पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत रवींद्र सिनकर ने कहा कि समय के साथ परिवर्तन और प्रगति जरूरी है, लेकिन इतिहास, संस्कृति और धरोहर को मिटाना नहीं चाहिए। उनके अनुसार, ठाणे साइकेट्रिक हॉस्पिटल की ब्रिटिश-युग की विरासत, मेडिकल सुपरिटेंडेंट का कार्यालय और पुरानी मूर्तियों का संरक्षण करते हुए विकास और विरासत के बीच संतुलन बनाना ही सच्ची तरक्की है।

ताले में बंद कुआँ खुलने के इंतजार में आदिवासी

उद्घाटन के बाद भी पानी को तरस रहा माशाचा पाड़ा

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

काशीमीरा से दूर स्थित आदिवासी बहुल माशाचा पाड़ा के लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इलाके के एकमात्र कुएँ का नूतनीकरण कार्य पूरा होने और कुछ महीने पहले परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा उद्घाटन किए जाने के बावजूद, कुएँ पर लगा ताला अब भी नहीं खुला है। नतीजतन, आदिवासी समुदाय के गरीब लोग आज भी पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के प्रयासों से शहर के कुओं को पुनर्जीवित करने के लिए राज्य सरकार से 50 करोड़ रुपये की निधि मीरा-भाईंदर महानगरपालिका (MBMC) को मिली थी। इसी योजना के

स्मार्ट सिस्टम लगा, लेकिन लोगों तक नहीं पहुंचा पानी

नागरिकों की सुविधा के लिए कुएँ की इमारत में आधुनिक स्वचालित स्मार्ट वॉटर डिस्पेंसर / स्मार्ट पंप सिस्टम लगाया गया है। इस सिस्टम में जल शोधन तकनीक मौजूद है और स्मार्ट कार्ड टैप करने पर एक बार में 10 लीटर शुद्ध पानी मिलता है, जिससे पानी की बर्बादी भी नहीं होती। हालांकि, यह सुविधा कागज़ों तक ही सीमित रह गई है और पाड़े के लोग अब तक इसके लाभ से वंचित हैं। स्थानीय आदिवासी महिलाओं ने प्रशासन से सवाल पूछते हुए कहा जब हमें पानी ही नहीं मिल रहा, तो उद्घाटन किस लिए किया गया?

ई-चालान का बोझ हुआ कम

ठाणे। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर लंबित ई-चालानों से परेशान वाहन चालकों के लिए ठाणे ट्रैफिक पुलिस की पहल राहत लेकर आई है। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से बड़ी संख्या में पेंडिंग मामलों का निपटारा किया गया, जिससे न सिर्फ वाहन चालकों को राहत मिली बल्कि ई-चालानों का भार भी काफी हद तक कम हुआ। शनिवार, 13 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत कुल 11,820 मामलों का निपटारा किया गया। इस दौरान अदालत में 1 करोड़ 32 लाख 70 हजार 200 रुपये का जुर्माना ऑनलाइन जमा किया गया। यह लोक अदालत मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल के मार्गदर्शन में तथा ठाणे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवींद्र पजंकर की पहल पर आयोजित की गई थी। ठाणे शहर यातायात विभाग द्वारा 5 दिसंबर तक बकाया जुर्माना रियायती दरों पर भरने की अपील की गई थी, जिसे वाहन चालकों से उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। इस अभियान के तहत 11,744 मामलों का निपटारा करते हुए 1 करोड़ 31 लाख 99 हजार 950 रुपये का जुर्माना वसूला गया। वहीं, लोक अदालत के दिन मौके पर 83 बकाया ई-चालान मामलों में 70 हजार 250 रुपये का जुर्माना भरा गया। ठाणे ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने बताया कि यह पहल केवल दंडात्मक कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य वाहन चालकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, जान-माल की सुरक्षा होगी और वाहन चालकों पर अनावश्यक जुर्माने का बोझ भी नहीं पड़ेगा। हर तीन महीने में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत वाहन चालकों को लंबित मामलों के निपटारे का अवसर देती है।

ठाणे में लोक अदालत से 11,820 मामलों का निपटारा

कोर्ट में 1 करोड़ 32 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना जमा

एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय की खिताबी जीत

50वीं कोंकण क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीतकर बनाया नाम

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

13 दिसंबर को समाप्त हुई 50वीं कोंकण क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता में मीरा भाईंदर वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस आयुक्तालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीतकर विजेता का खिताब अपने नाम किया।

पुरुष और महिला वर्ग में प्रदर्शन

एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय की पुरुष टीम ने लगातार दूसरी बार जनरल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। पुरुष खिलाड़ियों ने कबड्डी, हैंडबॉल, फुटबॉल, कुश्ती, बॉक्सिंग, वुशू, पावरलिफ्टिंग और जूडो में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और एथलेटिक्स में रजत पदक और खो-खो, हॉकी में कांस्य पदक जीतने में भी सफल रहे। महिला टीम ने पहली बार चैंपियन का खिताब जीतकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। महिला खिलाड़ियों ने खो-खो और वॉलीबॉल में स्वर्ण, कबड्डी और एथलेटिक्स में रजत पदक, बॉक्सिंग, वुशू, कुश्ती में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक और जूडो, वेटलिफ्टिंग, तायक्वांडो में सबसे ज्यादा रजत पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेता का खिताब जीतने पर एमबीवीवी पुलिस कमिश्नर निकेत कौशिक ने सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई दी और उनके अनुशासित और शानदार प्रदर्शन की प्रशंसा की। इस जीत के साथ एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय ने क्षेत्रीय खेलों में अपनी बढ़ती पकड़ और खेल प्रतिभा का फिर से लोहा मनवाया।

प्रतियोगिता का संक्षिप्त विवरण

प्रतियोगिता 8 से 13 दिसंबर तक रत्नागिरी जिले के दापोली स्थित डॉ. बालासाहेब सावंत कृषि महाविद्यालय में आयोजित की गई। इसमें कुल 1,086 पुलिस खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें नवी मुंबई पुलिस आयुक्तालय (188 खिलाड़ी), एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय (190 खिलाड़ी), ठाणे ग्रामीण पुलिस बल (142), रायगढ़ पुलिस बल (190), सिंधुदुर्ग पुलिस बल (124), रत्नागिरी पुलिस बल (112) और पालघर पुलिस बल (140) शामिल थे। प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, पावरलिफ्टिंग, कुश्ती, जूडो, ताइक्वांडो, वू-शू, मुक्केबाजी, हॉकी, फुटबॉल, हैंडबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो, कबड्डी और तैराकी शामिल थीं।

बाइक टैक्सी चालक ने युवती के साथ की दुष्कर्म की कोशिश

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

कल्याण पश्चिम से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां रैपिडो बाइक टैक्सी चालक ने एक युवती के साथ छेड़छाड़ करते हुए रेप की कोशिश की।

घटना सिंडिकेट क्षेत्र की बताई जा रही है। युवती के शोर मचाने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ लिया। जानकारी के मुताबिक युवती ने शाम के समय जिम जाने के लिए बाइक टैक्सी बुक की थी। चालक तय समय पर पहुंचा और युवती उसके साथ रवाना हुई। रास्ते में आरोपी ने निर्धारित रूट से हटकर बाइक को दूसरी ओर मोड़ दिया।

सुनसान और अंधेरे इलाके में ले गया आरोपी

आरोप है कि चालक युवती को जिम ले जाने की बजाय कल्याण पश्चिम स्थित पुलिस लाइन के पास एक सुनसान और अंधेरे इलाके में ले गया। वहां बाइक रोककर उसने युवती के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी और रेप करने का प्रयास किया।खुद को खतरे में देख युवती ने विरोध किया और जोर-जोर से चीखने लगी। उसकी आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने आरोपी बाइक चालक को पकड़ लिया और गुस्से में उसकी पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया।

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने भिवंडी मनपा चुनाव की तैयारियों की शुरुआत की

19 इच्छुक उम्मीदवारों को फॉर्म वितरित, पार्टी ने दिया मार्गदर्शन

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने भिवंडी महानगरपालिका की आगामी सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला प्रमुख मनोज गगे, पूर्व शहर प्रमुख मोहन वल्लाल, जिला सलाहकार व पूर्व नगरसेवक सुखदेव तेजे तथा जिला संगठनकर्ता वैशाली मेस्त्री के शुभहस्ते महानगरपालिका चुनाव का पहला आवेदन पत्र भगवान श्री गणराय के चरणों में अर्पित किया गया।

कार्यक्रम का समापन

कार्यक्रम के अंत में सभी इच्छुक उम्मीदवारों और प्रमुख पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी गईं। जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, पूर्व सचिव शांताराम गायकवाड और पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर सहित अन्य पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने इस कार्यक्रम के माध्यम से भिवंडी मनपा चुनाव में अपनी तैयारियों का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया और उम्मीदवारों को चुनावी रणनीति के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

आवेदन पत्र वितरण और उम्मीदवारों की सूची

दोपहर 12:45 बजे से 2:30 बजे के बीच इच्छुक उम्मीदवारों को आवेदन पत्र वितरित किए गए। इस दौरान कुल 19 उम्मीदवारों ने भिवंडी महानगरपालिका चुनाव के लिए फॉर्म प्राप्त किए। पार्टी नेतृत्व ने उम्मीदवारों को चुनाव प्रक्रिया और रणनीति को लेकर मार्गदर्शन भी दिया। इच्छुक उम्मीदवार प्रभाग 1: भूषण रोकडे, प्रदीप बोडके, सुभाष झलके, श्रीकृष्ण भाई वनगे,प्रभाग 3: मुजम्मिल खान,प्रभाग 5: वसीम कुरेशी,प्रभाग 6: शांताराम जाधव, आशरा शकील अंसारी,प्रभाग 7: नौशेबा अंसारी, मोकीम अंसारी,प्रभाग 9: स्वाती संतोष भावारथे

प्रभाग 13: गजेंद्र गुळवी, तन्मय विजय मलावकर, सुनीता कविराज तरे,प्रभाग 14: प्रविण गुळवि, प्रभाग 15: नजीर शेख पप्पन,प्रभाग 16: वर्षा देवेंद्र पाटील,प्रभाग 17: मनीषा करमचंद सरवदे, प्रभाग 20: संतोष हकारे।

कार्यक्रम और पार्टी का आयोजन

अजयनगर, भिवंडी में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के उपनेता अल्ताफभाई शेख, उपनेत्री डॉ. ज्योति ताई ठाकरे, भिवंडी महानगरपालिका संपर्क प्रमुख किशोर पोतदार, संपर्क संगठनकर्ता राजलक्ष्मी अंगारखे, पश्चिम संपर्क प्रमुख आसिफ बागवान और महानगर प्रमुख अरुण पाटील की उपस्थिति में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा और शिवसेना प्रमुख स्व. हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें अभिवादन किया गया।

विदर्भ को विकास का वैभव दिलाने के लिए प्रतिबद्ध : एकनाथ शिंदे

नागपुर में उपमुख्यमंत्री ने प्रदेश में प्रमुख परियोजनाओं का किया खुलासा

डीबीडी संवाददाता | नागपुर

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को विधानपरिषद में कहा कि राज्य सरकार विदर्भ को विकास का वैभव देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके तहत नागपुर को अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय और वित्तीय केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए हिंगणा तालुका में 1,710 एकड़ क्षेत्र में नई परियोजना शुरू की गई है। महाज्योति का मुख्यालय नागपुर स्थानांतरित किया जा रहा है, साथ ही 100 एकड़ में 'स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी' स्थापित की जाएगी।

अमरावती में फ्लाइंग अकादमी और अन्य विकास परियोजनाएं

शिंदे ने कहा कि चीन के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी 'फ्लाइंग अकादमी' अमरावती में शुरू होगी। एयर इंडिया के साथ 25 हजार पायलटों के प्रशिक्षण का करार किया गया है। अमरावती का पीएम मित्रा पार्क दो लाख रोजगार और निर्यात के अवसर प्रदान करेगा। नांदगांव पेठ में टेक्सटाइल क्लस्टर के मेगा प्रोजेक्ट को भी मंजूरी दी गई है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और जल संसाधन पर जोर

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि समृद्धि महामार्ग का विस्तार भंडारा, गडचिरोली और गोंदिया तक किया जा रहा है। इस मार्ग पर इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक हब विकसित हो रहा है। वडसा-देसाईगंज-गडचिरोली रेलमार्ग अब सुरजागढ़ तक जाएगा, जिससे आवागमन में क्रांतिकारी सुधार होगा। सिंचाई बैकलॉग को पूरा करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वैनगंगा-नलगंगा नदी जोड़ परियोजना से विदर्भ की 10 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। इसके अलावा गोसीखुर्द परियोजना और पूर्व विदर्भ के मालगुजारी तालाबों की मरम्मत के लिए भी पर्याप्त निधि दी गई है। शिंदे ने यह स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य फोकस बुनियादी ढांचे, उद्योग और जल संसाधन के विकास पर है, जिससे विदर्भ क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।

गडचिरोली को देश का 'स्टील हब' बनाने का लक्ष्य

शिंदे ने विधान परिषद में कहा कि नक्सल प्रभावित गडचिरोली को मार्च 2026 तक नक्सलवाद मुक्त कर देश का 'स्टील हब' बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि दावोस में हुए समझौतों में से 5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू सिर्फ विदर्भ के लिए किए गए हैं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। जिंदल ग्रुप जैसे बड़े उद्योग गडचिरोली में आ रहे हैं और अगले पांच वर्षों में यह क्षेत्र देश का प्रमुख स्टील हब बन जाएगा।

मुलुंड में बनेगा अंतरराष्ट्रीय 'विदेशी पक्षी उद्यान', मुंबई आने वाले पर्यटकों के लिए बने आकर्षण: मुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुलुंड में प्रस्तावित विकास परियोजनाएं न सिर्फ आम नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा करेंगी, बल्कि क्षेत्र का कायाकल्प भी करेंगी। इन्हीं में एक महत्वपूर्ण परियोजना अंतरराष्ट्रीय स्तर का 'विदेशी पक्षी उद्यान' है, जो पर्यावरण के अनुकूल होगा और प्रकृति के साथ सामंजस्य रखते हुए विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह परियोजना मुंबई के वैभव को कई गुना बढ़ाने में सहायक होगी और मुंबई आने वाले पर्यटकों के लिए एक विशेष आकर्षण बने—यही उनकी कामना है।

नाहूर, मुलुंड (पश्चिम) में विदेशी पक्षी उद्यान का भूमिपूजन

मुंबई के उपनगरीय क्षेत्रों में नागरिकों और पर्यटकों के लिए पर्यटन का नया और आकर्षक विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा मुलुंड (पश्चिम) के नाहूर क्षेत्र में अत्याधुनिक 'विदेशी पक्षी उद्यान' (Exotic Bird Park) विकसित किया जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की परियोजना का भूमिपूजन 14 दिसंबर 2025 की शाम को हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। इसी कार्यक्रम के दौरान बृहन्मुंबई महानगरपालिका संचालित श्रीमती मनसादेवी तुलसीराम अगरवाल सर्वसाधारण अस्पताल, मुलुंड (पश्चिम) की नवनिर्मित इमारत का भी लोकार्पण किया गया। यह समारोह राज इंडस्ट्रियल एस्टेट के पीछे, डी.पी. रोड, सालपादेवी पाड़ा, मुलुंड (पश्चिम) में आयोजित हुआ। उपमुख्यमंत्री एवं मुंबई शहर जिला पालक मंत्री एकनाथ शिंदे ने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि मुलुंड के नागरिकों का जीवन स्तर बेहतर करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से विकास परियोजनाएं हाथ में ली जा रही हैं। कचरा डंपिंग ग्राउंड पर गोल्फ पार्क की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। नई न्यायालय इमारत, अगरवाल अस्पताल और विदेशी पक्षी उद्यान जैसे विविध प्रोजेक्ट्स मुलुंडकरों के जीवन स्तर को ऊंचा करेंगे।

हर्षवर्धन सपकाल का आरोप अज्ञानजन्य : राम कुलकर्णी

मुख्यमंत्री फडणवीस पर की गई टिप्पणी को बताया गैरजिम्मेदार और प्रचार की राजनीति

मुंबई। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल द्वारा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के लिए "जल्लाद" शब्द का प्रयोग किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राम कुलकर्णी ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इस बयान को अविवेकी, तथ्यहीन और केवल सुर्खियां बटोरने के उद्देश्य से किया गया राजनीतिक वक्तव्य बताया।

'हर्षवर्धन सपकाल को इस बयान के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए'

राम कुलकर्णी ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से जनता के मतों से निर्वाचित मुख्यमंत्री हैं। उन्हें "जल्लाद" कहना न सिर्फ संवैधानिक पद की गरिमा का अपमान है, बल्कि राज्य की करोड़ों जनता का भी सीधा अपमान है। कुलकर्णी ने मांग की कि हर्षवर्धन सपकाल को अपने इस बयान के लिए सार्वजनिक रूप से जनता से माफी मांगनी चाहिए और अपनी राजनीतिक समझ पर पुनर्विचार करना चाहिए। विधानसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति को लेकर कुलकर्णी ने स्पष्ट किया कि यह पद किसी सरकार की इच्छा से नहीं, बल्कि विधानसभा के नियमों और संविधान के प्रावधानों के अनुसार तय होता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता पद के लिए कुल विधायकों की न्यूनतम दस प्रतिशत संख्या का होना अनिवार्य है, लेकिन कांग्रेस के पास आवश्यक संख्याबल नहीं है। इसी कारण जनता ने कांग्रेस को यह पद नहीं सौंपा है। उन्होंने आगे कहा कि इस पद के लिए चाहे जितना विरोध या बयानबाजी की जाए, संविधान और नियम नहीं बदलते।

युवा प्रशिक्षणार्थियों के लिए रोजगार के नए अवसर

सरकार ने पेश किया '6-सूत्री रोजगार कार्यक्रम'

मुंबई। महाराष्ट्र के कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने विधानसभा में कहा कि मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना के तहत प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार विशेष कदम उठा रही है। इसके साथ ही उन्होंने '6-सूत्री रोजगार कार्यक्रम' की रूपरेखा का भी खुलासा किया, ताकि प्रशिक्षार्थियों का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बनाया जा सके।

मंत्री लोढा ने बताया कि अब प्रशिक्षणार्थियों को आईटीआई के माध्यम से निजी उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

वडाला में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ ज्वाइंट ऑपरेशन

गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने अतिक्रमण रोकने की योजना की घोषणा की

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने वडाला क्षेत्र में अतिक्रमण और बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध आवास पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने का फैसला किया है। इस संदर्भ में गूगल मैपिंग और गृह विभाग की जॉइंट कार्रवाई से अतिक्रमण पर नियंत्रण किया जाएगा। यह घोषणा रविवार को नागपुर विधान परिषद में गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने की।

अतिक्रमण और अवैध बस्तियों की जांच

भाजपा सदस्य प्रसाद लाड के सवाल के जवाब में योगेश कदम ने बताया कि साल 2012 में स्थापित मैंग्रोव विभाग में मुंबई, ठाणे और पालघर जिले आते हैं। इस विभाग में 184 जवान कार्यरत हैं। हालाँकि अब तक अतिक्रमण के मामलों पर गृह विभाग और संबंधित विभागों ने कोई संयुक्त कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण कर बनाई गई बस्तियों में गैर-कानूनी तरीके से रहने वाले लोगों के गंभीर मामले सामने आए हैं।

गूगल मैपिंग और जॉइंट ऑपरेशन

अतिक्रमण और बांग्लादेशी घुसपैठियों के ठिकानों की सही जानकारी जुटाने के लिए पूरे मैंग्रोव क्षेत्र की गूगल मैपिंग की जाएगी। अगले छह से आठ महीनों में साल 2012 से पहले से चल रहे अतिक्रमणों का डेटा इकट्ठा किया जाएगा।

आज और कल चलेगा विशेष अभियान

गृह राज्यमंत्री कदम ने बताया कि 15 और 16 दिसंबर को वडाला मैंग्रोव इलाके में गृह विभाग का जॉइंट ऑपरेशन चलाया जाएगा। संदिग्ध बस्तियों में कॉम्बिंग ऑपरेशन किया जाएगा और यदि बांग्लादेशी नागरिक गैर-कानूनी रूप से पाए गए, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, मुंबई, ठाणे और पालघर के पूरे मैंग्रोव क्षेत्र में जरूरत के अनुसार ऐसी ही कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

शीतकालीन सत्र का समापन

विधानसभा में 16 विधेयक पारित, अगला अधिवेशन मुंबई में

मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल का सात दिनों तक चला शीतकालीन सत्र रविवार को संपन्न हो गया। दोनों सदनों में घोषणा की गई कि अगला अधिवेशन 23 फरवरी से मुंबई में आयोजित किया जाएगा। शीत सत्र के दौरान विधानसभा और विधान परिषद में अहम विधायी कार्य पूरे किए गए। शीत सत्र के दौरान विधानसभा में कुल 18 शासकीय विधेयक प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 16 विधेयकों को पारित किया गया। इसके अलावा 6 अध्यादेश भी सदन के पटल पर रखे गए। सत्र के अंतिम दिन अंतिम सप्ताह प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई। सत्र के दौरान सदस्यों द्वारा 7,286 तारांकित प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें से 215 को स्वीकृति मिली और 27 प्रश्नों के उत्तर दिए जा सके। सार्वजनिक महत्व की 160 सूचनाएं आईं, जिनमें से 69 मान्य की गईं और 3 पर चर्चा हुई।

ध्यानाकर्षण सूचनाओं की संख्या 1,867 रही, जिनमें से 299 स्वीकार की गईं और 70 पर चर्चा हुई। नियम 293 के तहत प्राप्त दोनों सूचनाओं पर भी सदन में चर्चा की गई। इस दौरान कुल 12 शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। अधिवेशन की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि 7 नवंबर 2025 को 'वंदे मातरम्' गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सदन में पूरे गीत का सामूहिक गायन किया गया। इसे सत्र का एक यादगार क्षण माना गया।

सातारा में एमडी ड्रग फैक्ट्री पर बड़ी कार्रवाई

115 करोड़ का माल जब्त, सात आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के सातारा जिले की जावली तहसील के सावरी गांव में चल रही एमडी ड्रग फैक्ट्री पर मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच ने छापा मारकर करीब 115 करोड़ रुपये का सामान जब्त किया है। इस मामले में मुख्य आरोपी विशाल मोरे सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मुलुंड से शुरू हुई जांच, फैक्ट्री तक पहुंची पुलिस

क्राइम ब्रांच के डिप्टी कमिश्नर राज तिलक रोशन ने बताया कि 9 दिसंबर को मुलुंड वेस्ट से 136 ग्राम मेफेड्रोन के साथ दो लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। पूछताछ में विशाल मोरे समेत अन्य आरोपियों के नाम सामने आए, जिसके बाद सावरी गांव में फैक्टरी का पता चला। मुंबई पुलिस ने सावरी गांव में चार दिन तक लगातार कार्रवाई कर फैक्टरी को ध्वस्त किया और सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को आज मुंबई लाया गया है।

मजदूर से लेकर ट्रांसपोर्टर तक शामिल

जांच अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में पश्चिम बंगाल और असम के मजदूर, टेक्नीशियन, ड्रग ट्रांसपोर्टर और बिक्री से जुड़े लोग शामिल हैं। पुलिस अब फंडिंग और ड्रग्स की सप्लाई चेन की जांच कर रही है। इस कार्रवाई को पुलिस इंस्पेक्टर आत्माजी सावंत की टीम ने अंजाम दिया, जिसमें इंस्पेक्टर अरुण थोरात, सहायक इंस्पेक्टर श्रीकांत करकर, सुहास खरमाटे, अमोल माली, रामदास कदम, सब-इंस्पेक्टर स्वप्निल काले और महेश शेलार शामिल थे।

मराठी स्कूलों को बचाने के लिए 18 दिसंबर को बीएमसी मुख्यालय पर मोर्चा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मराठी स्कूलों को बचाने के लिए मराठी अभ्यास केंद्र ने 18 दिसंबर को बीएमसी मुख्यालय पर मोर्चा निकालने का एलान किया है। इस प्रदर्शन में कई संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे।

दादर के राजर्षि शाहू ऑडिटोरियम में रविवार को आयोजित बैठक में शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञ, शिक्षक, अभिभावक और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। मराठी स्कूलों की वर्तमान स्थिति और उनके भविष्य के लिए दिशा तय करने पर चर्चा हुई। मराठी अभ्यास केंद्र के प्रेसिडेंट डॉ. दीपक पवार ने कहा कि केवल प्रदर्शन करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि मराठी स्कूलों के लिए ठोस और सक्रिय कार्यक्रम की आवश्यकता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि जो लोग मराठी भाषा को महत्व देते हैं, वे अपने बच्चों का एडमिशन मराठी स्कूलों में करवाएं।

सरकारी उदासीनता और अभिभावकों की भूमिका

मराठी स्कूलों की गुडविल एंबेसडर, एक्ट्रेस चिन्मयी सुमित ने कहा कि शिक्षा केवल सामाजिक अधिकार नहीं, बल्कि व्यक्तिगत और बुनियादी अधिकार है। उन्होंने सवाल उठाया कि मराठी स्कूलों की बिल्डिंग गिराने और ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक न करने के पीछे सरकार की नीति क्या है।

मराठी स्कूलों की हालत पर चिंता

डॉ. पवार ने बताया कि मराठी स्कूलों की इमारतें जर्जर और टूटी-फूटी हालत में हैं, जबकि इंग्लिश मीडियम स्कूल कुछ ही महीनों में चमकने लगते हैं। राज्य में मराठी स्कूलों के प्लॉट सस्ते रेट पर बिल्डरों को दिए जा रहे हैं, ताकि उन जमीनों पर मॉल और टावर बनाए जा सकें। उन्होंने इंग्लिश और मराठी शिक्षा की तुलना करते हुए कहा कि मराठी को सेकेंडरी माना जाता है।

मध्य रेल

निविदा सूचना

निविदा नं. : 85256264A **निविदा विवरण** : एलएचबी प्रकार के कोच (जैविक टैंक की व्यवस्था के साथ) के लिए हेड स्टॉक, आरसीएफ डीआरजी संख्या LE11460 के अनुसार । शून्य। शीर्ष फ्लैंज (डीआरजी संख्या LE11284 और LE11285) की सामग्री आरडीएसओ विनिर्देश CK201 ग्रेड X2CrNi12 के अनुसार होनी चाहिए। **मात्रा** : 100 Nos. **नियत तारीख** : 29.12.2025 **राशि** : 12278608.

Apex-728

AMM (CWE) MTN

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/ARES/OW/२०२५/५१३६६

सहकार कक्ष, झो.पु.प्रा. दिनांक : ११/१२/२०२५.

- :सर्वसाधारण सभा घेण्यासाठीची नोटीस : -

मुलुंड केशवपाडा संमिश्र सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, सी.टी.एस.नं. १११५ (पार्ट) आणि १४८० (पार्ट), केशव पाडा, पी.के.रोड, मुलुंड (पश्चिम), मुंबई ४०० ०८० या संस्थेतील झोपडीधारकांची सर्वसाधारण सभा आयोजित करणेकरीता मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था, (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), झोपुप्रा यांनी दि. ११/१२/२०२५ रोजीच्या पत्रान्वये माझी नियुक्ती केलेली आहे.

त्यानुसार सदर संस्थेची सर्वसाधारण सभा दि. ३०/१२/२०२५ रोजी, **सकाळी ११ वाजता, स्थळ : मुलुंड हाय स्कूल हॉल, युनियन बँक समोर, चंदन बाग रोड, पाच रस्ता, मुलुंड (पश्चिम), मुंबई ४०० ०८०** येथे आयोजित करण्यात आलेली आहे. तरी सदर वेळेस परिशिष्ट-२ मधील सर्व झोपडीधारकांनी मतदानासाठी उपस्थित रहावे, ही विनंती.

- :सभेपुढील विषय : -

१) संस्थेचे विकासक व वास्तुविशारद यांची निवड करणे.

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : ११/१२/२०२५.

सही/-
(आर.एन. हळदे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी १, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई

सुचना : १. सदर सभेस परिशिष्ट-२ मध्ये नमूद झोपडीधारकास प्रवेश व मतदानाचा हक्क राहील, अन्य व्यक्ती / झोपडीधारकास सभेच्या हॉलमध्ये प्रवेश राहणार नाही किंवा त्यांना मतदानाचा हक्क राहणार नाही.

२. सभेस संस्थेच्या परिशिष्ट-२ मधील झोपडीधारक पती / पत्नी या दोघांपैकी एकाच व्यक्तीस उपस्थित राहता येईल. इतर नातेवाईकांना अथवा प्रतिनिधींना उपस्थित राहता येणार नाही.

३. परिशिष्ट-२ मधील व्यक्तींनी स्वतःची ओळख होईल अशा ओळखपत्रासह (आधार कार्ड / निवडणूक ओळखपत्र / पॅनकार्ड इत्यादी) उपस्थित रहावे.

४. संस्थेच्या परिशिष्ट-२ मधील सभासदांना सभागृहात प्रवेश देते वेळी त्यांनी त्यांची ओळख पटवून सभेच्या उपस्थिती नोंदवहीत स्वाक्षरी करुन व बायोमेंट्रीक पध्दतीने उपस्थिती नोंदविल्यानंतरच सभागृहात प्रवेश दिला जाईल.

५. सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत व्हिडीओ चित्रिकरण करण्यात येईल.

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग :- उप जल अभियंता (मेंटेनेन्स)

क्रमांक : HE/7-424, /AE(M.), WWES दिनांक : 12.12.2025

ई - निविदा सुचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा पात्र निविदादारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रारंभ दिनांक एवं समय तथा निविदा समाप्ति दिनांक एवं समय का विवरण बी.एम.सी. की वेबसाइट के टेंडर सेक्शन तथा महाटेंडर्स पोर्टल पर उपलब्ध विस्तृत निविदा सूचना में दिया गया है।

क्र. सं.	बिड क्रमांक	कार्य का नाम
1	2025_MCGM_1258818_1	AEMWWES-II के अंतर्गत विभिन्न जलाशयों में सर्ज प्रोटेक्शन डिवाइस की मरम्मत एवं नवीनीकरण तथा संबद्ध कार्य।

इच्छुक निविदादार अधिक जानकारी के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in तथा महाटेंडर्स पोर्टल http://mahatenders.gov.in पर अवलोकन करें।

पीआरओ/2653/विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
(H.W.) W.W.

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

कार्यालय : मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं विभागाध्यक्ष (द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाएं)
दूसरी एवं सातवीं मंज़िल, के.बी. भाभा अस्पताल, बांद्रा (पश्चिम), मुंबई – 400050

क्रमांक : सीएच.एम.एस. एवं एचओडी/एसएचसीएस/9400 दिनांक : 12.12.2025

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अर्नेस्ट मनी डिपॉज़िट (EMD) रु	निविदा शुल्क रु	बोली प्रारंभ तिथि व समय	ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय
1	2	3	4	5	6
1	एस.वी.डी. सावरकर महानगरपालिका सामान्य अस्पताल, मुलुंड (पूर्व) में LSCS सेट का SITC **Tender ID : 2025_ MCGM_1258682**	रु. 19,600/-	रु. 3,630/- + रु. 654/- (18% GST) = रु. 4,284/-	15/12/2025 सायं 6.00 बजे (18 घंटे)	23/12/2025 अपराह्न 4.00 बजे (16 घंटे)
2	एस.वी.डी. सावरकर महानगरपालिका सामान्य अस्पताल, मुलुंड (पूर्व) में सेप्टोप्लास्टी हेतु SITC **Tender ID : 2025_ MCGM_1258683**	रु. 19,600/-	रु. 3,630/- + रु. 654/- (18% GST) = रु. 4,284/-	15/12/2025 सायं 6.00 बजे (18 घंटे)	23/12/2025 अपराह्न 4.00 बजे (16 घंटे)

महानगरपालिका में पंजीकृत वे सभी निविदाकार, जिन्होंने पहले से स्थायी जमा (Standing Deposit) का भुगतान किया है, उन्हें भी अर्नेस्ट मनी डिपॉज़िट (EMD) का भुगतान करना अनिवार्य है। निविदाकारों को निर्धारित EMD राशि http://www.mahatenders.gov.in वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा, बोली प्रस्तुत करते समय ऑनलाइन जमा करनी होगी।

टिप्पणी : a) **उपरोक्त निविदाओं की पात्रता शर्तें http://www.mahatenders.gov.in वेबसाइट पर अपलोड की गई ई-निविदा सूचना के अनुसार होंगी।**
निविदा दस्तावेज़ डाक द्वारा न तो जारी किए जाएंगे और न ही स्वीकार किए जाएंगे।

हस्ता/-
मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं विभागाध्यक्ष
(द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाएं)

पीआरओ/2631/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

लापता पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या आरोपी हिरासत में

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में लापता पांच वर्षीय बच्ची के बारे में पता चला है कि यौन शोषण करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी गई। एक अधिकारी ने बताया कि बलात्कार और हत्या के मामले में 32 वर्षीय एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। मावल तहसील की एक बच्ची शनिवार को लापता हो गई थी और बाद में उसका शव मिला, जिसके बाद पुलिस ने कई टीमें गठित कीं। अधिकारी ने बताया कि बाद में यह भी साबित हो गया कि बच्ची का यौन उत्पीड़न किया गया था।

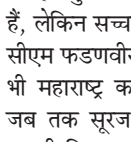

पिंपरी चिंचवड पुलिस के सहायक पुलिस आयुक्त (जोन 2) बालासाहेब कोपनार ने कहा, 'हमने उस व्यक्ति को हिरासत में लिया है जिसे लड़की के घर के पास देखा गया था। उसने बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर बहलाने और बाद में गला घोंटकर उसकी हत्या करने की बात कबूल की है।

वार्ड 43 के पूर्व नगरसेवक विनोद मिश्रा ने रविवार को मलाड स्थित प्रसिद्ध तपोवन मंदिर में दर्शन किए और मठाधीश प.पू. श्री श्री 1008 श्री माधवाचार्यजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में नूतन वर्ष कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। मिश्रा ने कहा कि तपोवन मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहाँ संतों के चरणों में आकर जनसेवा का संकल्प और भी दृढ़ होता है।

मुंबई महाराष्ट्र से कभी अलग नहीं होगी: फडणवीस

नागपुर। महाराष्ट्र विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मुंबई को महाराष्ट्र से अलग किए जाने का सवाल ही पैदा नहीं होता। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र 106 शहीदों के बलिदान से बना एकजुट राज्य है और इस पर किसी को भी संदेह नहीं होना चाहिए। सीएम ने कहा कि हर चुनाव के समय इस तरह की बातें उठती हैं, लेकिन सच्चाई अडिग है।

सीएम फडणवीस ने दो टूक कहा कि मुंबई कल भी महाराष्ट्र का हिस्सा थी, आज भी है और जब तक सूरज-चांद रहेंगे, तब तक महाराष्ट्र का ही हिस्सा रहेगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज के दिखाए मार्ग और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान के मूल्यों पर आगे बढ़ता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के सिद्धांत महाराष्ट्र में सदैव स्वीकार किए गए, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर उनके योगदान को लेकर लंबे समय तक गलतफहमियां रहीं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले CBSE की पुस्तकों में मराठा साम्राज्य और हिंदवी स्वराज्य पर केवल एक पैराग्राफ था, जबकि मुगलों का इतिहास 17 पन्नों में पढ़ाया जाता था।

मध्य रेल

मडल रेल प्रबंधक मुंबईछ.शि.म.ट (कार्य) का कार्यालय
खुली ई - निवीदासूचनासं-मरे/मरेप्र(कार्य) बीबी/2025/40 दिनांक-10.12.2025

क्रमसंख्या-1. कार्य का नाम : A) सीनियर डीईएन(एनई)अधिकार क्षेत्र के तहत कल्याण-इगतपुरी सेक्शन में एफआरएम के लिए शोल्डर और क्रिब बैलास्ट की मरम्मत और सहायक कार्य B) इगतपुरी और टिटोली यार्ड में वनस्पति हटाना और खरपतवार/जंगल उखाडना और वनस्पति विकास को रोकने के लिए खरपतवारनाशक का छिडकाव करना C) कल्याण यार्ड में वनस्पति हटाना और खरपतवार/जंगल उखाड़ना और वनस्पति विकास को रोकने के लिए खरपतवारनाशक का छिड़काव करना D) सीनियर डीईएन(एनई) के तहत विभिन्न बोर्ड जैसे अधिकार क्षेत्र, टर्नआउट, एसईजे, कर्व एलडब्ल्यूआर आदि का प्रावधान और किमी पोस्ट, हेक्टोमीटर पोस्ट, ग्रेडिएंट पोस्ट, कर्व एसईजे, टर्नआउट, स्लीपर, रेल आदि की पेंटिंग। **लगभग कीमत** Rs.137.01 लाख **EMD** 2,18,500 **पूरा होने की अवधि** - 12 महीने **क्रमसंख्या- 2. कार्य का नाम:** (A) सीनियर डीईएन(एनई)अधिकार क्षेत्र में कल्याण-इगतपुरी टीएफआर 44.35 किमी; (B) इगतपुरी PF नंबर-4 में जर्जर कंक्रीट वाशेबल एप्रन को बलास्टेड ट्रेक में बदलना (C) सीनियर डीईएन(एनई)अधिकार क्षेत्र में कल्याण-इगतपुरी - टीआरआर(पी)-5.77 किमी; (D) कल्याण-इगतपुरी रेल का आकस्मिक नवीनीकरण 3.38 किमी एसईजे -18 नग जोड़ -38 नग। **अनुमानित मूल्य** 129.85 लाख रुपये **ईएमडी** 2,14,900 रुपये **पूरा होने की अवधि** -12 महीने। **क्रमसंख्या- 3. कार्य का नाम:** (A) कसारा-इगतपुरी:- पुराने आरसीसी स्लैब पुल को पीएससी स्लैब/आरसीसी बीओएस (9 नग) से बदलना; (B) कल्याण - इगतपुरी:- प्रमुख पुलों (13 नग) को सुरक्षात्मक पेंटिंग। **लगभग कीमत** Rs. 450.48 लाख EMD Rs. 3,75,200 **पूरा होने का समय** - 12 महीने । **क्रमसंख्या- 4. कार्य का नाम:** सीनियर डीईएन(एनई) के तहत दो साल (2025-26 और 2026-27) के लिए सीएमएस क्रॉसिंग का रीकंडीशनिंग। लगभग कीमत Rs.108.36 लाख EMD Rs.2,04,200 **पूरा होने का समय** - 24 महीने । **क्रमसंख्या- 5. कार्य का नाम:** कामन-जुचंद्र के बीच KM 78/3 (एलसी गेट नंबर 9) पर एस और टी गियर शिफ्ट करने के लिए नई बिल्डिंग का निर्माण। लगभग कीमत Rs. 56.19 लाख EMD Rs.1,12,400 पूरा होने का समय -6 महीने । **क्रमसंख्या- 6. कार्य का नाम:** एलटीटी, चेंबर, गोवंडी, मानखुर्द में प्लेटफॉर्म पर नए सीओओपी का प्रावधान और खराब वैली गटर और डाउन टेक पाइप को बदलना। **लगभग कीमत** Rs.949.03 लाख **EMD** Rs.6,24,500 **पूरा होने का समय** - 15 महीने। **क्रमसंख्या- 7. कार्य का नाम:** कलवा-कल्याण सेक्शन में प्लेटफॉर्म के बिना ढके हिस्से पर नए सीओपी का प्रावधान और क्षतिग्रस्त वैली गटर और डाउन टेक पाइप को बदलना। **लगभग कीमत** Rs.1,227.51 लाख **EMD** Rs.7,63,800 **पूरा होने का समय** - 15 महीने । उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय क्र.1,2,3,4,5,6 और 7 दिनांक 30.12.2025, को 15.00 बजे तक और 15.00 बजे के बाद खोला जाएगा निविदा और शुद्धिपत्र के विवरण हेतु अग्रदर्शी निविदाओं के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। इलेक्ट्रॉनिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप सेटेंडर से ऊपर ई-टेंडर में भाग लिया जा सकता है और ई-टेंडर के खिलाफ मैनुअल प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से, यदि प्रस्तुत किया गया है तो न तो खोला जाएगा और न ही माना जाएगा । **www.ireps.gov.in** वेबसाइट में प्राकृतिक नियम के अनुसार उपलब्ध किए गए ई पेमेन्ट के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसुचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप मै जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है । अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क: मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय, मध्य रेल फोन - 022-67455323 यह विदाए सार्वजनिक खरीदनीति आदेश 2017 दिनांक 16.9.2017 के अनुरूप है । निवीदाओ संबधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** परं उपलब्ध है । निविदा संबधी संपूर्ण विवरण उपरोक्त कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), तीसरी मंजील, कंम्पूटरीकृत आरक्षण केंद्र के ऊपर, छशिमट मुंबई-400001 के 'नोटिसबोर्ड' पर उपलब्ध है।

Apex-729

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) मुंबईछशिमट

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

संपादकीय

उच्च शिक्षा संकट

शिक्षा मंत्रालय द्वारा उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों को प्रतिस्पर्धी बनाने की जो योजना अपनाई जा रही है, उसकी नीयत निस्संदेह सकारात्मक है। प्रतिस्पर्धा से संस्थानों में नवाचार, संसाधनों के बेहतर उपयोग और वैश्विक मानकों की ओर बढ़ने की प्रेरणा मिल सकती है। किंतु केवल प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना ही पर्याप्त नहीं है। यदि इसके साथ शिक्षा की गुणवत्ता, शोध की संस्कृति, नवाचार और समावेशिता पर समान रूप से ध्यान नहीं दिया गया, तो यह प्रयास अधूरा ही रह जाएगा। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत कई सुधारात्मक कदम सुझाए गए हैं, लेकिन इनका क्रियान्वयन अत्यंत धीमी गति से हो रहा है और सुधार का लाभ कुछ चुनिंदा संस्थानों तक ही सीमित दिखाई देता है। वर्तमान समय में उच्च शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह देश की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को तैयार करे। आज का भारत ऐसे युवाओं की मांग कर रहा है जो केवल डिग्रीधारी न हों, बल्कि कौशलयुक्त, तकनीकी रूप से दक्ष और नवाचार की क्षमता रखने वाले हों। उद्योग और व्यापार जगत को ऐसे मानव संसाधन चाहिए जो बदलते वैश्विक परिदृश्य में प्रतिस्पर्धा कर सकें। दुर्भाग्य से बड़ी संख्या में उच्च शिक्षण संस्थानों से निकलने वाले छात्र व्यवहारिक ज्ञान और कौशल के अभाव में रोजगार पाने में असमर्थ रह जाते हैं। इससे शिक्षित बेरोजगारी की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है, जो सामाजिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से चिंता का विषय है। पिछले कुछ वर्षों में देश में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सरकारी के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय और कॉलेज तेजी से खुले हैं। लेकिन संख्या में वृद्धि का यह सिलसिला गुणवत्ता में सुधार की गारंटी नहीं बन सका है। अनेक संस्थानों में पाठ्यक्रम आज भी पुराने ढर्रे पर आधारित हैं, जो न तो वर्तमान समय की जरूरतों को पूरा करते हैं और न ही छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर पाते हैं। यही कारण है कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी बेहतर शिक्षा और अवसरों की तलाश में विदेशों का रुख कर रहे हैं। यह 'ब्रेन ड्रेन' देश के लिए दीर्घकालिक नुकसान का कारण बन रहा है, क्योंकि विदेश गए छात्रों में से बहुत कम ही वापस लौटते हैं। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाला एक और गंभीर पहलू योग्य शिक्षकों की कमी है। अनेक विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों के पद वर्षों से खाली पड़े हैं। यह स्थिति केवल निजी संस्थानों तक सीमित नहीं है, बल्कि केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में भी व्यापक रूप से देखी जा रही है। जब शिक्षकों की संख्या ही अपर्याप्त होगी, तो शोध, मार्गदर्शन और गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन कैसे संभव हो पाएगा? व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा के संस्थानों में यह समस्या और भी गंभीर है, जहां विशेषज्ञ शिक्षकों की अनुपलब्धता सीधे छात्रों के कौशल विकास को प्रभावित करती है। हाल के समय में विदेशी विश्वविद्यालयों द्वारा भारत में अपने केंद्र खोलने की पहल की जा रही है। इससे संभव है कि कुछ हद तक विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में कमी आए, लेकिन यह समाधान स्थायी नहीं माना जा सकता। मूल प्रश्न यही है कि हमारे अपने शिक्षण संस्थान वैश्विक स्तर की गुणवत्ता क्यों नहीं प्रदान कर पा रहे हैं। यदि देश के भीतर ही उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध हो, तो छात्रों को विदेश जाने की आवश्यकता ही क्यों पड़े। इस संदर्भ में यह भी आवश्यक है कि देश के प्रतिष्ठित और अग्रणी शिक्षण संस्थान अपनी विशेषज्ञता और संसाधनों के माध्यम से अन्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को सशक्त बनाने में सहयोग करें। ज्ञान और अनुभव का यह साझा मॉडल उच्च शिक्षा में असमानता को कम कर सकता है। यदि आज देशभर के छात्र कुछ चुनिंदा विश्वविद्यालयों में ही प्रवेश पाने की आकांक्षा रखते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत है कि राज्यों के बीच उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में गहरा अंतर मौजूद है। जब तक यह अंतर दूर नहीं किया जाता और सभी क्षेत्रों में समान रूप से मजबूत शिक्षण संस्थान विकसित नहीं किए जाते, तब तक उच्च शिक्षा में व्यापक, संतुलित और टिकाऊ सुधार की कल्पना अधूरी ही बनी रहेगी।

सुरक्षा नियमों की अनदेखी का घातक सच

गोवा के एक नाइट क्लब में लगी आग ने देश की व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना केवल एक हादसा नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही लापरवाही, भ्रष्टाचार और नियम-कानूनों की अनदेखी का परिणाम है। सार्वजनिक और निजी इमारतों में सुरक्षा मानकों को जिस तरह लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। यह पहली बार नहीं है जब किसी इमारत में आग लगने से बड़ी संख्या में लोगों की जान गई हो। देश के अलग-अलग हिस्सों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं, लेकिन हर बार कुछ दिनों की चर्चा और दिखावटी सख्ती के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। गोवा नाइट क्लब की घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्लब पर बुलडोजर चलाया और संचालकों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई देखने में कठोर लगती है और इससे यह संदेश देने की कोशिश की जाती है कि शासन-प्रशासन लापरवाही के मामलों में कोई ढील नहीं बरतेगा। लेकिन वास्तविकता यह है कि ऐसी कार्रवाइयां अधिकतर प्रतीकात्मक होती हैं। असली जिम्मेदार, यानी वे अधिकारी जिन्होंने नियमों की अनदेखी की, अवैध निर्माण को नजरअंदाज किया या शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की, अक्सर बच निकलते हैं। अधिक से अधिक उन्हें कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया जाता है, जिसके बाद वे फिर किसी अन्य पद पर बहाल हो जाते हैं।

इस हादसे में 25 लोगों की जान चली गई, जो यह बताने के लिए पर्याप्त है कि नाइट क्लब में सुरक्षा व्यवस्था कितनी कमजोर थी। आग से बचाव के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं थे, न आपातकालीन निकास पर्याप्त थे और न ही आग बुझाने के उपकरण मौजूद थे। यह सही है कि किसी भी इमारत में आग लगने की संभावना रहती है, लेकिन यदि सुरक्षा मानकों का ईमानदारी से पालन किया जाए, तो जान-माल के नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है। दुर्भाग्य से भारत में भवन निर्माण के दौरान सुरक्षा, विशेषकर अग्नि सुरक्षा, को प्राथमिकता नहीं दी जाती।

जांच में यह भी सामने आया है कि यह नाइट क्लब महीनों से बिना लाइसेंस के चल रहा था और उसका निर्माण नियमों के विरुद्ध किया गया था। सवाल यह उठता है कि जब यह सब हो रहा था, तब संबंधित विभाग क्या कर रहे थे? क्या उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी, या फिर जानबूझकर आंखें मूंद ली गई थीं? इस क्लब को लेकर पहले भी शिकायतें की गई थीं, लेकिन उन पर कोई गंभीर कार्रवाई नहीं हुई। यह स्थिति प्रशासनिक उदासीनता और मिलीभगत की ओर स्पष्ट इशारा करती है।

अवैध निर्माण देश में एक आम समस्या बन चुका है, और यह प्रायः नगर निकायों तथा अन्य संबंधित विभागों की मिलीभगत से ही संभव होता है। अग्नि सुरक्षा के मामले में इन विभागों का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। गोवा की घटना के बाद यह बात और स्पष्ट हो गई है कि देश के कई शहरों में रेस्तरां, होटल, बैंक्वेट हॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और यहां तक कि अस्पतालों में भी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। यदि व्यापक स्तर पर सुरक्षा ऑडिट कराया जाए, तो शायद ही कोई इमारत सभी मानकों पर खरी उतरे।

नियमों की अनदेखी में केवल सरकारी अधिकारी ही नहीं, बल्कि आर्किटेक्ट और ठेकेदार भी बराबर के दोषी हैं। भवन निर्माण की योजना बनाने और उसे अमल में लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके बावजूद बहुत कम मामलों में यह सुनने को मिलता है कि किसी आर्किटेक्ट का लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द किया गया हो या किसी ठेकेदार पर कठोर कार्रवाई की गई हो। जब तक इन्हें सख्ती से जवाबदेह नहीं ठहराया जाएगा, तब तक अवैध और असुरक्षित निर्माण का सिलसिला जारी रहेगा। हर बड़ी दुर्घटना के बाद प्रशासन सख्ती दिखाने की कोशिश करता है, जिससे कुछ समय के लिए यह लगता है कि अब व्यवस्था सुधरेगी। लेकिन अनुभव बताता है कि यह सख्ती अक्सर स्थायी नहीं होती। देश में नियम-कानूनों की कमी नहीं है, कमी है तो उनके ईमानदार और प्रभावी क्रियान्वयन की। नागरिकों में भी नियमों के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी का अभाव है, वहीं सरकारी विभाग अपनी जिम्मेदारियों से बचते नजर आते हैं।

नगर निकायों में व्याप्त भ्रष्टाचार इस पूरी समस्या को और गंभीर बना देता है। कई बार तो नियमों के अनुसार निर्माण कराने के लिए भी लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है। यही भ्रष्टाचार अवैध निर्माण और सुरक्षा मानकों की अनदेखी को बढ़ावा देता है, जिसका खामियाजा आम नागरिकों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ता है। दुखद यह है कि जान-माल के नुकसान के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई नहीं होती, जो भविष्य में दूसरों के लिए सबक बन सके।

स्पष्ट है कि जब तक निर्माण और सुरक्षा नियमों के पालन की मौजूदा व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव नहीं किया जाएगा, तब तक गोवा नाइट क्लब जैसी घटनाओं को रोकना संभव नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के बावजूद यह सवाल बना हुआ है कि क्या सरकारें वास्तव में सुरक्षा और आपदा-निवारण उपायों को गंभीरता से लागू कर रही हैं। जब सामान्य सुरक्षा मानकों पर ही ध्यान नहीं दिया जाता, तो भूकंप, आग या अन्य बड़ी आपदाओं से निपटने की तैयारी कैसे संभव होगी? अब समय आ गया है कि दिखावटी सख्ती से आगे बढ़कर ठोस और स्थायी सुधार किए जाएं, ताकि निर्दोष लोगों की जान यूं ही लापरवाही की भेंट न चढ़ती रहे।

जीवन मंत्र

सीखते रहो, आगे बढ़ते रहो

आत्मविश्वास से भरा व्यक्ति कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने का साहस रखता है। "सीखते रहो, आगे बढ़ते रहो" का महत्व व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर भी है। एक शिक्षित और सीखने के लिए उत्सुक समाज ही प्रगति की राह पर आगे बढ़ सकता है।

मानव जीवन निरंतर परिवर्तन और विकास की यात्रा है। इस यात्रा में जो व्यक्ति सीखना छोड़ देता है, उसका विकास रुक जाता है। "सीखते रहो, आगे बढ़ते रहो" केवल एक प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक और सफल बनाने का मूल मंत्र है। सीखने की प्रक्रिया जीवन भर चलती रहती है और यही हमें आगे बढ़ने, नई राहें तलाशने और चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देती है। सीखना केवल पुस्तकों या विद्यालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। जीवन का प्रत्येक अनुभव हमें कुछ न कुछ सिखाता है। सफलता हमें आत्मविश्वास देती है, जबकि असफलता हमें सुधार का अवसर प्रदान करती है। जो व्यक्ति अपनी गलतियों से सीख लेता है, वही वास्तव में आगे बढ़ता है। इतिहास साक्षी है कि महान व्यक्तित्व वही बने, जिन्होंने निरंतर सीखने की आदत को अपनाया और कभी भी ज्ञान के द्वार बंद नहीं किए। आज का युग ज्ञान और तकनीक का युग है। प्रतिदिन नई खोजें हो रही हैं, नई तकनीकें विकसित हो रही हैं और कार्य करने के तरीके बदल रहे हैं। ऐसे समय में यदि हम स्वयं को अपडेट नहीं करेंगे, तो पीछे छूट जाना निश्चित है। निरंतर सीखने से न केवल हमारी योग्यता बढ़ती है, बल्कि हम आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी भी बनते हैं। यही कारण है कि आज 'लाइफ लॉन्ग लर्निंग' यानी जीवन भर सीखने की अवधारणा पर विशेष बल दिया जा रहा है। सीखने का सीधा संबंध आगे बढ़ने से है। जब हम नया सीखते हैं, तो हमारे विचारों का दायरा विस्तृत होता है। हमें समस्याओं को देखने और सुलझाने के नए दृष्टिकोण मिलते हैं। इससे हमारे भीतर आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का विकास होता है। जब नागरिक अपने ज्ञान और कौशल का विकास करते हैं, तो देश की अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक और संस्कृति भी सशक्त होती है। इस प्रकार निरंतर सीखना केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी योगदान देता है। आज के युवाओं के लिए यह मंत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। प्रतियोगिता के इस दौर में वही युवा सफल हो सकता है, जो सीखने के प्रति जिज्ञासु हो और स्वयं को समय के अनुसार ढाल सके। केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि नई-नई क्षमताओं का विकास करना भी आवश्यक है।

जीवन ऊर्जा

पाओलो लोरेन्जी : जन्म 15 दिसंबर 1981 — जन्म

निरंतरता हर महान खिलाड़ी की सफलता की नींव है

सफलता एक रात में नहीं आती; यह कड़ी मेहनत और समर्पण से आती है। कोर्ट पर, यह आपके प्रतिद्वंद्वी के बारे में नहीं है, यह आपके खुद से मुकाबला करने के बारे में है। विजय की राह अनगिनत बलिदानों और संकल्प से पाई जाती है।

पाओलो लोरेन्जी एक प्रसिद्ध इटालियन टेनिस खिलाड़ी थे। उनका जन्म 15 दिसंबर 1981 को हुआ था। उन्होंने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स में भाग लिया और एक स्थिर खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाई। पाओलो लोरेन्जी का निधन 2023 में हुआ। हर मैच एक नया अवसर है अपनी क्षमता साबित करने का। सफलता एक रात में नहीं आती; यह कड़ी मेहनत और समर्पण से आती है। कोर्ट पर, यह आपके प्रतिद्वंद्वी के बारे में नहीं है, यह आपके खुद से मुकाबला करने के बारे में है। विजय की राह अनगिनत बलिदानों और संकल्प से पाई जाती है। यह हार नहीं है जो आपको परिभाषित करती है, बल्कि वह है जो आप हार के बाद उठकर करते हैं। टेनिस में, जैसे जीवन में, सफलता की कुंजी धैर्य और दृढ़ता है। अपने आत्मविश्वास पर विश्वास रखें, भले ही प्रतिकूल परिस्थितियां हों। खेल में सफलता केवल पूर्णता से नहीं, बल्कि निरंतरता और जुनून से आती है। कभी न रुकें सीखना, क्योंकि हर मैच आपको कुछ नया सिखाता है। विजय केवल अंतिम प्वाइंट जीतने के बारे में नहीं है, बल्कि हर प्वाइंट जो उसे जीतने से पहले आता है, उसके बारे में है। सर्वश्रेष्ठ मैच वे हैं जो आपको मजबूत बनाते हैं। अनुशासन वही है जो अच्छे और महान खिलाड़ियों में अंतर करता है। जब आप हार मानने का मन बनाएं, तो याद करें कि आपने शुरुआत क्यों की थी। निरंतरता हर महान खिलाड़ी की सफलता की नींव है। टेनिस केवल एक शारीरिक खेल नहीं है, यह मानसिक युद्ध है। खुद को धक्का देते रहें, क्योंकि केवल वही सीमाएं हैं जो आप खुद तय करते हैं। चाहे कितना भी कठिन हो, आपका दिल कभी हार मानने नहीं चाहिए। आपको हर चुनौती का सामना करने का साहस होना चाहिए, चाहे वह छोटी हो या बड़ी। परिणाम से ज्यादा प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करें। परिणाम खुद ही आ जाएंगे।

शख्सियत — उषा मंगेशकर:

मधुर स्वर की विशिष्ट पार्श्व गायिका

उषा मंगेशकर भारतीय संगीत जगत की एक जानी-मानी पार्श्व गायिका हैं, जिन्होंने अपने मधुर और विशिष्ट स्वर से कई दशकों तक श्रोताओं के दिलों पर राज किया। उनका जन्म इंदौर, मध्य प्रदेश में हुआ। वह मंगेशकर परिवार की सबसे छोटी बहन हैं और महान गायिकाएँ लता मंगेशकर, आशा भोसले तथा मीना खादीकर की बहन हैं।

संगीत का वातावरण उन्हें विरासत में मिला और बचपन से ही उन्होंने शास्त्रीय संगीत की शिक्षा प्राप्त की। उनके बड़े भाई पंडित हृदयनाथ मंगेशकर भी प्रसिद्ध संगीतकार हैं, जिनका मार्गदर्शन उनके संगीत जीवन में महत्वपूर्ण रहा। उषा मंगेशकर ने 1950 के दशक में फिल्मी संगीत की दुनिया में कदम रखा। शुरुआती दौर में उन्होंने हल्के-फुल्के, चुलबुले और लोकधुनों पर आधारित गीतों से पहचान बनाई। 1954 की फिल्म 'सुबह का तारा' से उनका फिल्मी सफर शुरू हुआ, लेकिन उन्हें वास्तविक पहचान 1975 में आई सुपरहिट भक्ति फिल्म 'जय संतोषी माँ' से मिली। इस फिल्म का भजन "मैं तो आरती उतारूँ" अत्यंत लोकप्रिय हुआ और आज भी श्रद्धा और भक्ति के भाव से सुना जाता है। इस गीत ने उषा मंगेशकर को घर-घर में प्रसिद्ध कर दिया और उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नामांकन भी मिला। उषा मंगेशकर की आवाज़ में एक विशेष मासूमियत और लोक-स्पर्श है, जो उनके गीतों को अलग पहचान देता है। "मुंगड़ा" जैसे गीतों ने उन्हें युवा दर्शकों के बीच भी लोकप्रिय बना दिया। इसके अलावा उन्होंने हिंदी सिनेमा के साथ-साथ मराठी फिल्मों में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। मराठी फिल्म 'पिंजरा' के गीत आज भी मराठी संगीत प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। उन्होंने कन्नड़, बंगाली, असमिया, ओडिया, भोजपुरी, गुजराती, नेपाली और मणिपुरी भाषाओं में भी गीत गाए, जो उनकी बहुभाषी प्रतिभा को दर्शाता है। फिल्मी गायन के अलावा उषा मंगेशकर ने दूरदर्शन के लिए संगीतमय नाटकों और विशेष प्रस्तुतियों में भी योगदान दिया। उन्होंने भक्ति संगीत, लोकगीत और पारंपरिक रचनाओं को अपनी आवाज़ दी, जिससे भारतीय सांस्कृतिक विविधता को संगीत के माध्यम से व्यापक पहचान मिली। उनका गायन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसमें आध्यात्मिकता और लोकसंवेदना की गहरी छाप भी दिखाई देती है। अपने लंबे और सफल करियर में उषा मंगेशकर को कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया। उन्हें बंगाल फिल्म जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन पुरस्कार, मिर्ची लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रदत्त लता मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2025 में उन्हें मराठी सिनेमा में योगदान के लिए फिल्मफेयर मराठी लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी प्रदान किया गया, जो उनके संगीत जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है। उषा मंगेशकर का योगदान केवल गीतों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी आवाज़ की आत्मीयता और सांस्कृतिक जुड़ाव से आँका जाता है।

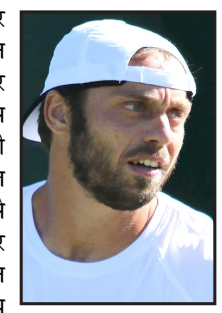

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

धर्म और अधर्म का विवेकपूर्ण एवं परिस्थितिनिष्ठ स्वरूप

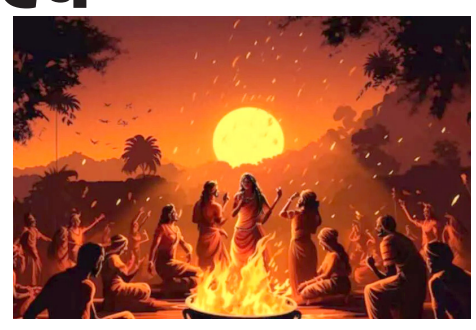

धर्म और अधर्म को सामान्यतः हम कठोर नियमों की तरह देखते हैं, किंतु भारतीय दर्शन में यह अवधारणा अत्यंत सूक्ष्म, विवेकपूर्ण और परिस्थितिनिष्ठ है। धर्म केवल कर्म का बाह्य स्वरूप नहीं, बल्कि उसके पीछे निहित उद्देश्य, भावना और परिणाम से जुड़ा होता है। इसी कारण किसी विशेष परिस्थिति में किया गया अधर्म भी धर्म के समान माना जा सकता है और कभी-कभी बाहरी रूप से धर्म प्रतीत होने वाला कर्म अधर्म बन जाता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

झूठ बोलना सामान्य रूप से अधर्म कहा गया है, क्योंकि यह विश्वास और सत्य को नष्ट करता है। किंतु यदि झूठ बोलने से किसी निर्दोष प्राणी का जीवन बचता है, किसी बच्चे या निर्बल की रक्षा होती है, तो वही झूठ धर्म का रूप धारण कर लेता है। इसके विपरीत सत्य बोलना धर्म है, परंतु यदि सत्य के कारण किसी धार्मिक, निर्दोष और निःशस्त्र व्यक्ति का जीवन संकट में पड़ जाए, तो वह सत्य अधर्म बन जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि धर्म का मूल्यांकन केवल कथन से नहीं, बल्कि उसके प्रभाव से किया जाना चाहिए।

चोरी करना अधर्म है, पर यदि चोरी किसी कुटुंब, समाज या राष्ट्र की सुरक्षा के लिए की जाए, और उसका उद्देश्य स्वार्थ नहीं बल्कि व्यापक कल्याण हो, तो वही कर्म धर्म कहलाता है। इसी प्रकार जीव-हत्या को अधर्म कहा गया है, किंतु यदि एक जीव की हत्या से अनेक निर्दोष प्राणियों की रक्षा संभव हो, तो वह कर्म करुणा और संतुलन के कारण धर्म बन जाता है। दान देना धर्म है, लेकिन दान यदि पापियों, अत्याचारियों या अधर्मी शक्तियों को दिया जाए, जिससे वे और अधिक विनाश फैलाएँ, तो ऐसा दान अधर्म बन जाता है। इसी तरह हिंसा और हत्या को अधर्म माना गया है, किंतु बच्चों, महिलाओं, अपने कुल-कुटुंब, राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए की गई हिंसा, यदि अंतिम विकल्प हो, तो वह मर्यादा-रक्षा का धर्म बन जाती है।

"पृथ्वी कुटुंब के समान है" यह एक महान धर्मवाक्य है, परंतु यदि पृथ्वी के संतुलन के लिए कोई कुटुंब या समूह निरंतर विनाशकारी बन जाए, तो उस विनाशकारी तत्व का अंत करना भी धर्म माना जाएगा। विष पिलाना और मादक पदार्थों का सेवन अधर्म है, किंतु यदि विष या मादक पदार्थों के प्रयोग से किसी निर्दोष प्राणी की रक्षा होती है, तो उसका उद्देश्य धर्ममय हो जाता है। वास्तव में धर्म का अर्थ है प्राणियों और प्रकृति के मध्य संतुलन बनाए रखने वाले नियमों का पालन। अधर्म तब धर्म का रूप धारण करता है, जब उसका उद्देश्य दया, क्षमा, समता, अहिंसा और प्राणियों का कल्याण हो। जहाँ धर्म है, वहीं जय है।

नशा और जुआ दोनों मतिमार हैं, ये मनुष्य की विवेक शक्ति को नष्ट कर देते हैं। अभोज्य और अशुद्ध भोजन का सेवन करने से आध्यात्मिक शक्ति क्षीण होती है। इसलिए आवश्यक है कि मनुष्य धर्म और अधर्म में अंतर अपनी विवेक शक्ति से करे और धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करे। इनके अध्ययन से मानसिक और आत्मिक शांति प्राप्त होती है तथा जीवन के क्लेश दूर होते हैं।

अपने विचार

हम निष्पक्ष चुनाव जैसे असली मुद्दों से ध्यान भटका रहे हैं, जिसमें चुनाव आयोग की सक्रिय भूमिका होनी चाहिए। बिहार चुनाव के दौरान हुए वित्तीय लेन-देन यह दिखाते हैं कि किसी भी तरह से वोट चुराने की कोशिश की गई।

-मनोज कुमार
कांग्रेस सांसद

वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) स्थानीय निकाय चुनावों में मिली हार के पीछे सभी कारणों की गंभीरता से जांच करेगा, जिसमें सबरीमाला मुद्दे का असर भी शामिल है। इस बार एलडीएफ को सभी स्तरों पर भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

-पी. राजीव
उद्योग मंत्री

ज्ञानेश कुमार, डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी। तीनों भाजपा सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इनके लिए कानून बदला, नया कानून लेकर आए और कहा कि चुनाव आयुक्त कुछ भी करें उन पर एक्शन नहीं लिया जा सकता।

-राहुल गांधी
कांग्रेस नेता

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होकर रोमांचित, उत्साहित और गौरवांवित हूं। मैं गर्व करता हूं कि हमारी पार्टी में न तो कोई परिवारवाद चलता है और न ही जातिवाद है। भाजपा न किसी खास परिवार की पार्टी है न ही किसी खास जाति की।

-पंकज चौधरी
भाजपा नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

पुणे आश्रम शालाओं में गर्भधारण जांच पर विवाद

शिवसेना विधायक मनीषा कायंदे ने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की उठाई मांग

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

पुणे ज़िले की सरकारी आश्रम शालाओं में छुट्टी से लौटने वाली किशोर उम्र की छात्राओं की गर्भधारणा जांच कराए जाने का गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर शिवसेना विधायक डॉ. मनीषा कायंदे ने कड़ा विरोध जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

आदिवासी विकास मंत्री को सौंपा ज्ञापन

इस मामले को गंभीर बताते हुए डॉ. मनीषा कायंदे ने नागपुर में आदिवासी विकास मंत्री अशोक उइके से मुलाकात की और उन्हें लिखित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि इस तरह की जांच छात्राओं की निजता और गरिमा का खुला उल्लंघन है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

पहली से बारहवीं तक की छात्राएं प्रभावित

डॉ. कायंदे के अनुसार, संबंधित आश्रम शालाओं में पहली से बारहवीं कक्षा तक की छात्राएं अध्ययनरत हैं, जो सभी किशोरावस्था में हैं। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म से गुजरने वाली छात्राओं को गर्भधारणा जांच के लिए मजबूर करना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह मानसिक उत्पीड़न के समान है।

राज्यभर की आश्रम शालाओं के लिए स्पष्ट निर्देश की मांग

शिवसेना विधायक ने मांग की कि इस पूरे प्रकरण की तत्काल जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की जाए। साथ ही राज्य की सभी आश्रम शालाओं को स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं कि किसी भी परिस्थिति में छात्राओं की यूरिन प्रेग्नेंसी जांच न कराई जाए। उन्होंने कहा कि छात्राओं की गरिमा, अधिकार और मानसिक सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

सरकारी आदेशों की अनदेखी का आरोप

विधायक कायंदे ने बताया कि राज्य सरकार ने 25 सितंबर 2025 को स्पष्ट आदेश जारी किए थे कि पांच या उससे अधिक दिनों की छुट्टी से लौटने वाली किशोर छात्राओं की यूरिन प्रेग्नेंसी टेस्ट नहीं कराई जाएगी। इसके बावजूद पुणे ज़िले की कुछ सरकारी आश्रम शालाओं में इन आदेशों की अनदेखी कर छात्राओं की जांच कराई गई, जो बेहद गंभीर विषय है।

ब्रीफ न्यूज़

कळंब परिसर में के.डी. रोड व संरक्षण दीवार निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न

वसई। वसई विधानसभा क्षेत्र के कळंब परिसर में के.डी. रोड के निर्माण तथा संरक्षण दीवार के महत्वपूर्ण विकास कार्य का भूमिपूजन आज पालघर जिले के सांसद डॉ. हेमंत सवरा एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों से उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस विकास कार्य के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और गुणवत्तापूर्ण यातायात सुविधा उपलब्ध होगी, साथ ही बरसात के मौसम में आने वाली समस्याओं का स्थायी समाधान भी सुनिश्चित होगा। भूमिपूजन समारोह में के.डी. घरत, महेंद्र पाटील, रामदास मेहेर, कळंब ग्राम पंचायत की सरपंच अमिता कपिल म्हात्रे, ग्राम पंचायत सदस्य कपिल म्हात्रे, नवनीत निजाई, विद्याधर म्हात्रे, जगदीश किणी, दिनेश घरत, हिम्मत किणी, जितेंद्र मेहेर, प्रकाश जोशी, संदीप पाटील, सुधीर मेहेर, चंद्रकांत वझे सहित ज्योत्स्ना मेहेर, अश्विनी निजाई, निलिमा तांडेल, मनीषा किणी, माया मेहेर, ऋणाली मेहेर, प्रतिभा किणी, पुष्पा निजाई, विजय मेहेर, चंद्रकांत पाटील आदि अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जनसुरक्षा के साथ सर्वांगीण विकास ही प्राथमिकता है और कळंब परिसर के विकास के लिए आगे भी निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

12 दिनों बाद मौत के मुंह से लौटा घोड़पड़

भिवंडी। भिवंडी के चाविंद्रा इलाके में भिवंडी–नाशिक मार्ग पर गुरुवार को इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई। इम्तियाज होटल के सामने सड़क के बीच लगे स्ट्रीट लाइट पोल के भीतर पिछले 12 दिनों से फंसा एक बेजुबान घोड़पड़ आखिरकार सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। भूख, प्यास और चोटों से जूझ रहा यह घोड़पड़ हर गुजरते दिन के साथ मौत के और करीब पहुंचता जा रहा था। जानकारी के अनुसार, पुराने स्ट्रीट लाइट पोल के गिरने के बाद भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका द्वारा नया पोल लगाया गया था। अनजाने में यही पोल करीब साढ़े तीन फीट लंबे घोड़पड़ के लिए लोहे की कैद बन गया। करीब 20 से 24 फुट ऊंचे पोल में उसका पिछला हिस्सा फंस गया, जिससे वह बाहर नहीं निकल पा रहा था। यह दृश्य रोज़ दुकानदारों और राहगीरों को विचलित करता रहा। स्थिति गंभीर होने पर स्थानीय नागरिकों ने पूर्व उपमहापौर व सामाजिक कार्यकर्ता इमरान वली मोहम्मद खान को सूचना दी। उनके प्रयासों से महानगरपालिका का अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा और कटर मशीन से रेस्क्यू शुरू किया। कई घंटों की मशक्कत के बाद एनिमल लवर रकीब अंसारी ने साहस दिखाते हुए घोड़पड़ को सावधानीपूर्वक बाहर निकाला। घोड़पड़ के बाहर आते ही मौके पर खुशी और राहत का माहौल बन गया। इलाज के बाद उसे सुरक्षित जंगल क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। यह घटना इंसानियत, संवेदनशीलता और सामूहिक प्रयास की प्रेरक मिसाल बन गई है।

डाकिया केवल पत्रवाहक नहीं, भरोसे और विकास का सेतु : सिंधिया

कोल्हापुर । केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया ने 13 दिसंबर 2025 को कोल्हापुर में आयोजित ग्रामीण डाक सेवक सम्मेलन में गोवा व पुणे क्षेत्र के लगभग 6000 ग्रामीण डाक सेवकों को संबोधित किया। मराठी में दिए गए जोशीले भाषण में उन्होंने डाक कर्मचारियों की सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका की सराहना की। मंत्री सिंधिया ने कहा कि डाक सेवक अब केवल पत्र पहुंचाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बैंकिंग, बीमा और सरकारी सेवाओं के माध्यम से गांव-गांव तक विश्वास का सेतु बन चुके हैं। उन्होंने ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने में भारतीय डाक की भूमिका को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने जीडीएस कर्मचारियों के लिए किए गए कल्याणकारी सुधारों का उल्लेख किया, जिनमें बच्चों को केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश, भत्तों में वृद्धि, नई वर्दी व जैकेट तथा प्रोजेक्ट एरो जैसी पहलें शामिल हैं। साथ ही, 1.65 लाख डाकघरों और 6.5 लाख गांवों तक फैले नेटवर्क को आधुनिक लॉजिस्टिक्स पावरहाउस में बदलने का आह्वान किया।

डॉ. दिनेशकुमार के खंडकाव्य 'संविधान के शिल्पकार' का लोकार्पण, कवि सम्मेलन का आयोजन

मुंबई में साहित्य और संविधान चेतना का संगम, 100 से अधिक गणमान्य रहे उपस्थित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

डॉ. दिनेशकुमार द्वारा रचित खंडकाव्य 'संविधान के शिल्पकार' का भव्य लोकार्पण एवं कवि सम्मेलन शनिवार को सांताक्रूज़ स्थित पब्लिक हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज के सभागार में सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम हिंद सेवा परिषद द्वारा संचालित पब्लिक हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज तथा साहित्य संगम संस्था, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

वरिष्ठ शिक्षाविदों का सारगर्भित वक्तव्य

मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सचिन गपाट एवं 'संझा लोकस्वामी' के कार्यकारी संपादक राकेश मणि तिवारी ने खंडकाव्य 'संविधान के शिल्पकार' पर अपने विचार रखते हुए इसकी साहित्यिक और वैचारिक महत्ता पर प्रकाश डाला। पब्लिक हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. राकेश दुबे ने प्रस्ताविकी प्रस्तुत कर कार्यक्रम की भूमिका स्पष्ट की।

मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

मुख्य अतिथि के रूप में हिंद सेवा परिषद एवं पब्लिक स्कूल के संस्थापक, विद्वान और कर्मठ व्यक्तित्व यज्ञ नारायण दुबे उपस्थित रहे। वहीं आर. के. कॉलेज मलाड के संचालक आर. के. सर तथा 'नीलम पब्लिकेशन' के प्रकाशक एवं साहित्यनामा के प्रधान संपादक दिनेश आर. वर्मा सम्मानित अतिथि के रूप में मंचासीन रहे।

डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, रक्षा विशेषज्ञ डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय ने की। 100 से अधिक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में यह आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

वरिष्ठ कवियों का काव्यपाठ बना आकर्षण

कवि सम्मेलन में वरिष्ठ कवि रामप्यारे (रघुवंशी), दिनेश बैसवारी, रामस्वरूप साहू, अमरनाथ द्विवेदी, रवि यादव, कल्पेश यादव, जे. पी. सिंह, प्रेम जौनपुरी, विवेक सिंह, दयाराम, जाकिर हुसैन रहबर सहित लगभग 20 कवियों ने प्रभावशाली काव्यपाठ किया, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन साहित्य संगम संस्था के संस्थापक, वरिष्ठ कवि-साहित्यकार राम सिंह ने किया। अंत में पब्लिक विधि महाविद्यालय के निदेशक राजेश दुबे ने सभी अतिथियों, कवियों और श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

मालाड में 25 लाख की ठगी करने वाला गैंग गिरफ्तार

मंदिर के पास खुदाई में सोना मिलने का झांसा देकर नकली गहनों की बिक्री

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

नाशिक के एक मंदिर के पीछे खुदाई के दौरान सोने के गहने मिलने का झूठा दावा कर नकली गहनों की बिक्री के जरिए 25 लाख रुपये की ठगी करने वाली शातिर अंतरराज्यीय गैंग को मालाड पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में मालाड पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 883/25 के तहत धारा 316(2), 318(4) और 3(5) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

गुजरात और विरार से आरोपियों की गिरफ्तारी

तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने गांधीनगर (गुजरात) और विरार पूर्व में छापेमारी की। मुख्य आरोपी बाबूलाल भलाराम वाधेला को कलोल, जिला गांधीनगर (गुजरात) से गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से 15 लाख 45 हजार रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में उसकी पत्नी कोकुबाई बाबूलाल वाधेला की भूमिका सामने आने पर उन्हें बीएनएसएस की धारा 35(3) के तहत नोटिस दिया गया। इसके बाद विरार पूर्व से अन्य तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान से जुड़े हैं सभी आरोपी, पुराने मामले भी दर्ज

गिरफ्तार आरोपियों में बाबूलाल भलाराम वाधेला (55), कोकुबाई बाबूलाल वाधेला (50), मंगलाराम मनाराम वाघरी (34), केसाराम भगताराम वाघरी (41) और भवरलाल बाबूलाल वाघरी (48) शामिल हैं। सभी आरोपी मूल रूप से जालोर जिला, राजस्थान के निवासी हैं और विभिन्न राज्यों में इस तरह की ठगी की वारदातें करते थे। मुख्य आरोपी के खिलाफ गुजरात के कलोल तालुका और साबरमती पुलिस स्टेशन में भी इसी तरह के मामले दर्ज हैं।

राजस्थानी भाषा में बातचीत कर जीता भरोसा

शिकायतकर्ता 51 वर्षीय दिनेश मेहता ने पुलिस को बताया कि 26 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 के बीच आरोपी बाबूलाल वाधेला ने राजस्थानी भाषा में बातचीत कर उनसे पहचान बढ़ाई। आरोपी ने नाशिक स्थित एक मंदिर के पीछे खुदाई में करीब 900 ग्राम सोने के गहने मिलने का दावा किया और उन्हें बेचने या स्वयं खरीदने का प्रस्ताव दिया।

एक आरोपी फरार, बरामदगी जारी

पुलिस के अनुसार, गोविंद नामक आरोपी (उम्र करीब 30 वर्ष) फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। आरोपियों के पास से 15.45 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं, जबकि शेष संपत्ति की बरामदगी की कार्रवाई जारी है।

तकनीकी जांच से खुला ठगी का जाल

शिकायत मिलते ही सहायक पुलिस निरीक्षक अभिजीत काले, दीपक रायवाडे सहित टीम ने मोबाइल नंबर, सीसीटीवी फुटेज, डंप डेटा और सीडीआर विश्लेषण के जरिए जांच शुरू की। करीब तीन दिनों तक 100 से अधिक सरकारी और निजी सीसीटीवी कैमरों की जांच के बाद इस ठगी में पांच आरोपियों की संलिप्तता सामने आई।

पुलिस की नागरिकों से अपील

मालाड के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दुष्यंत चव्हाण ने नागरिकों से अपील की है कि सोना मिलने या सस्ते दामों में गहने बेचने जैसे प्रलोभनों से सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

सोने जैसे दिखने वाले सैंपल देकर किया विश्वासघात

भरोसा दिलाने के लिए आरोपी ने पीली धातु के कुछ मोती सैंपल के तौर पर दिए, जो जांच में सोने जैसे प्रतीत हुए। इसके बाद शिकायतकर्ता ने 25 लाख रुपये नकद देकर गहने खरीदे। हालांकि, जब इन गहनों को सुनार को दिखाया गया तो वे पूरी तरह नकली निकले।

महाराष्ट्र में शीतलहर का कहर

जेऊर में न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री, कई जिलों में ठंड से लोग ठिठुरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

हिमालय और उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाओं के कारण महाराष्ट्र के कई इलाकों में शीतलहर का असर बढ़ गया है। राज्य के कई शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया है। खासतौर पर जेऊर में तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इसे राज्य का सबसे ठंडा क्षेत्र बनाता है। हिमालय और उत्तर भारत के मैदानी इलाकों से आने वाली सर्द हवाओं के कारण महाराष्ट्र में ठंड बढ़ गई है। मुंबई, ठाणे और आसपास के शहरों में भी लोगों ने कड़कड़ाती ठंड का सामना किया। मौसम विभाग के अनुसार शीतलहर का असर क्रिसमस तक जारी रहने की संभावना है। मुंबई के कोलाबा में रविवार को तापमान 20.9 डिग्री और सांताक्रूज में 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठाणे में न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री रहा। अहमदनगर में 8.4 डिग्री, जलगांव में 10 डिग्री, मालेगांव में 8.4 डिग्री, नाशिक में 9.9 डिग्री और हिल स्टेशन महाबलेश्वर में 12.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

राज्य के कई हिस्सों में ठंड का असर

विदर्भ, उत्तर महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र के कई जिलों में लोग ठंड से ठिठुर रहे हैं। नासिक, पुणे, बारामती, अहिल्यानगर, नांदेड़, धाराशिव, जलगांव, मालेगांव, अमरावती, भंडारा, गोंदिया, नागपुर और यवतमाल सहित कई शहरों में शीतलहर का असर देखा जा रहा है। मध्य महाराष्ट्र में शीतलहर की संभावना के चलते येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार और मंगलवार को न्यूनतम तापमान में थोड़ी वृद्धि होगी, लेकिन गुरुवार से फिर से गिरावट शुरू हो जाएगी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष धनार्जन होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है। भाइयों की मदद मिलेगी। संपत्ति के लेनदेन में सावधानी रखें।

वृष संतान के कार्यों पर नजर रखें। पूंजी निवेश बढ़ेगा। प्रचार-प्रसार से दूर रहें। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा।

मिथुन जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों में संलग्न होने से सुयश एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। व्यापारिक निर्णय लेने में देर नहीं करें। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी।

कर्क भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। फालतू खर्च होगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएंगे। दिनचर्या नियमित रहेगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम न लें। झंझटों में न पड़ें। आय में कमी होगी।

सिंह प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता बढ़ेगी। व्यापार में कार्य का विस्तार होगा। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कन्या मान बढ़ेगा। मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। अभिष्ट कार्य की सिद्धि के योग हैं। उलझनों से मुक्ति मिलेगी।

तुला स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दुःखद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। वास्तविकता को महत्व दें। प्रयासों में सफलता के योग कम हैं। परिवार में कलह-कलेश का माहौल रह सकता है।

वृश्चिक यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी। प्रयास की मात्रा के अनुसार लाभ की अधिकता रहेगी।

धनु उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक प्रगति में रुकावट आ सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें।

मकर धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नेतृत्व गुण की प्रधानता के कारण प्रशासन व नेतृत्व संबंधी कार्य सफल होंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुंभ समय की अनुकूलता का लाभ अधिकाधिक लेना चाहिए। नवीन उपलब्धियों की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

मीन रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। व्यवहार कुशलता एवं सहनशीलता के बल पर आने वाली बाधाओं का समाधान हो सकेगा। खानपान पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी।

गुरुवार का व्रत और बृहस्पति की कृपा से बदलता जीवन जानिए क्यों यह एक दिन पूरी किस्मत का रुख मोड़ देता है

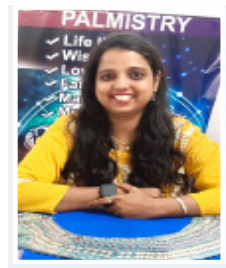

प्रियंका जैन
9769994439

भारतीय ज्योतिष परंपरा में गुरुवार का दिन केवल सप्ताह का एक दिन नहीं माना गया है, बल्कि यह ज्ञान, धर्म, विवेक और भाग्य के कारक ग्रह बृहस्पति से सीधे जुड़ा हुआ पवित्र अवसर है। बृहस्पति को देवताओं का गुरु कहा गया है और यही ग्रह मनुष्य के जीवन में सही मार्गदर्शन, नैतिक बल, आत्मविश्वास, संतान सुख, विवाह, शिक्षा और आर्थिक स्थिरता प्रदान करता है। जब किसी व्यक्ति के जीवन में बार-बार प्रयास करने के बावजूद सफलता हाथ नहीं लगती, रिश्तों में तनाव बना रहता है, विवाह में देरी होती है या मानसिक रूप से व्यक्ति दिशाहीन महसूस करता है, तब इसके मूल में अक्सर बृहस्पति की कमजोरी मानी जाती है। ऐसे समय में गुरुवार का व्रत एक साधारण धार्मिक क्रिया न होकर जीवन को पुनः संतुलन में लाने वाला शक्तिशाली उपाय बन जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन जातकों की कुंडली में गुरु छठे, सातवें, आठवें या दसवें भाव में स्थित होता है, उन्हें विशेष रूप से गुरुवार का व्रत करना चाहिए, क्योंकि ये भाव संघर्ष, दांपत्य, आयु और कर्म से जुड़े होते हैं और यहां गुरु के कमजोर होने से जीवन में रुकावटें बढ़ जाती हैं। धनु और मीन राशि वालों के लिए तो यह व्रत और भी अधिक फलदायी माना गया है, क्योंकि इन दोनों राशियों का स्वामी स्वयं बृहस्पति है और व्रत रखने से स्वभाव, निर्णय क्षमता और भाग्य में सकारात्मक परिवर्तन आने लगता है। यदि कुंडली में गुरु शुक्र या बुध जैसे शत्रु ग्रहों के साथ बैठा हो या किसी भी प्रकार से पीड़ित अवस्था में हो, तब गुरुवार का व्रत गुरु की नकारात्मकता को शांत करता है और उसके शुभ गुणों को जाग्रत करता है। यह भी माना गया है कि जब बृहस्पति कमजोर होता है तो व्यक्ति के जीवन में विवाह संबंधी समस्याएं, वैवाहिक कलह, संतान से जुड़ी चिंताएं और आर्थिक अस्थिरता बनी रहती है। ऐसे में नियमित रूप से गुरुवार का उपवास करने से गुरु बलवान होता है और धीरे-धीरे परिस्थितियां अनुकूल होने लगती हैं। जिन लोगों की कुंडली में अल्पायु योग या जीवन रेखा कमजोर मानी जाती है, उनके लिए भी गुरुवार का व्रत विशेष लाभकारी बताया गया है, क्योंकि बृहस्पति दीर्घायु और जीवन रक्षा का भी कारक ग्रह है। इसी तरह जिनकी सोच नकारात्मक, अस्थिर या अत्यधिक भौतिकता में उलझी हुई होती है, उनके लिए बृहस्पतिवार का उपवास मानसिक शुद्धि और विवेक जागरण का माध्यम बनता है।

कई बार व्यक्ति को लगता है कि वह सही कर्म कर रहा है, फिर भी जीवन में हर मोड़ पर असफलता ही हाथ लग रही है। ऐसे समय में शास्त्र कहते हैं कि यह गुरु की निर्बलता का संकेत हो सकता है। गुरुवार का कठिन व्रत ऐसे जातकों के लिए संजीवनी की तरह कार्य करता है। यह व्रत न केवल बाहरी परिस्थितियों को बदलता है, बल्कि व्यक्ति के भीतर धैर्य, विश्वास और सकारात्मक दृष्टि को भी जन्म देता है। किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए कम से कम 11 गुरुवार का व्रत करने की परंपरा इसी कारण बताई गई है, क्योंकि गुरु शीघ्र प्रसन्न होकर साधक को उचित फल प्रदान करते हैं।

सीएचसी कूड़ेभार में तैनात डाक्टर की संदिग्ध मौत

- पोस्टमार्टम के बाद होगा मौत के कारणों का खुलासा

सुलतानपुर। जिले के कूरेभार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में तैनात मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुरेंद्र वर्मा की रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजन उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मूल रूप से अंबेडकर नगर जिले के रामपुर सकरवारी गांव निवासी डॉ. सुरेंद्र वर्मा नगर के सिरवारा मोहल्ले में निवास करते थे। उनकी शादी करीब डेढ़ वर्ष पूर्व हुई थी। 32 वर्षीय डॉ. वर्मा कूरेभार सीएचसी में आर्थोपेडिक सर्जन एवं मेडिकल ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे।

हास्पिटल पहुंचने से पहले हो गई थी मौत

परिजनों के अनुसार रविवार सुबह करीब 11 बजे वे अचानक घर पर गिर पड़े। आनन-फानन में परिजन और मोहल्ले के लोग उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग मौत के कारणों की पड़ताल में जुटे हैं। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। नगर कोतवाल धीरज कुमार ने बताया कि मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

गैस चैंबर बना NCR, सांस लेने में भी दिक्कत

- बिगड़ती स्थिति को देखते हुए तत्काल प्रभाव से ग्रैप-4 प्रभावी
- नोएडा शहर के अलावा सभी प्रमुख इलाके डार्क रेड जोन में

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण ने खतरनाक स्तर पार कर लिया है। घनी जहरीली धुंध के कारण पूरा एनसीआर गैस चैंबर में तब्दील हो गया है। हालात ऐसे हो गए हैं कि आमजन को सांस लेने में कठिनाई, आंखों में जलन और स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए सरकार ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के चौथे चरण को लागू कर दिया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के रविवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार नोएडा देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 469 दर्ज किया गया। दिल्ली में एक्यूआई 460, गाजियाबाद में 459, ग्रेटर नोएडा में 442, पानीपत में 454, बहादुरगढ़ और बागपत में 444-444 दर्ज किया गया। वहीं मेरठ, मानेसर और गुरुग्राम में भी एक्यूआई 350 के पार रहा। एनसीआर के सभी प्रमुख शहर डार्क रेड जोन में पहुंच गए हैं, जो गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है। बढ़ते प्रदूषण का सबसे अधिक असर दमा, हृदय रोग, टीबी और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों पर पड़ रहा है। चिकित्सकों के अनुसार बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर इसका प्रभाव ज्यादा देखा जा रहा है।

आपात बैठक के बाद कड़े प्रतिबंध

वायु प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की आपात बैठक के बाद ग्रैप-4 लागू किया गया है। इसके तहत एनसीआर में सभी सरकारी और निजी निर्माण एवं तोड़फोड़ कार्यों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही ट्रकों के प्रवेश पर पाबंदी, डीजल जनरेटर के उपयोग और खुले में कचरा जलाने पर भी रोक लगा दी गई है।

पीएम 2 .5 बना मुख्य वजह

विशेषज्ञों के अनुसार दिल्ली, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में पीएम 2 .5 प्रदूषण का प्रमुख कारण बना हुआ है, जबकि गाजियाबाद में पीएम 10 और पीएम 2 .5 दोनों ही खतरनाक स्तर पर दर्ज किए गए हैं। हवा की गति नौ किलोमीटर प्रति घंटे से कम रहने और ठंड बढ़ने के कारण प्रदूषण कण वातावरण में लंबे समय तक बने हुए हैं। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले तीन से चार दिनों तक राहत मिलने की संभावना कम है और बारिश होने पर ही हालात में सुधार संभव है।

स्कूल, कई दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम

दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में सीएनजी और बीएस-6 डीजल वाहनों को छोड़कर अन्य राज्यों में पंजीकृत हल्के वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। स्कूलों को 10वीं और 12वीं कक्षा को छोड़कर हाइब्रिड मोड में संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। कई निजी और सरकारी संस्थानों ने कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था लागू कर दी है। बढ़ते वायु प्रदूषण ने एक बार फिर एनसीआर के निवासियों के सामने गंभीर स्वास्थ्य और पर्यावरणीय संकट खड़ा कर दिया है।

पंकज चौधरी बने यूपी भाजपा के नये मुखिया, पीयूष गोयल ने की औपचारिक घोषणा

यूपी भाजपा को मिला नया 'चौधरी'

- भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी : गोयल
- मुख्यमंत्री समेत तमाम मंत्री और पदाधिकारी रहे मौजूद

एजेंसी । लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर बड़ा निर्णय लेते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। रविवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित भव्य समारोह में पार्टी के केंद्रीय चुनाव अधिकारी एवं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने उनके निर्वाचित होने की औपचारिक घोषणा की। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए पंकज चौधरी का एकमात्र नामांकन दाखिल होने के कारण उनका निर्वाचन पहले से ही तय माना जा रहा था। निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रदेश चुनाव अधिकारी ने

नवनिर्वाचित अध्यक्ष को सौंपा गया प्रमाणपत्र

समारोह के दौरान पंकज चौधरी को निर्वाचन प्रमाणपत्र प्रदान किया गया, जबकि निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने उन्हें पार्टी का ध्वज सौंपा। अध्यक्ष पद की घोषणा होते ही सभागार 'भारत माता की जय' और पार्टी नेतृत्व के समर्थन में नारों से गूंज उठा। वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नए प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन किया।

नामांकन के साथ ही तय हो गया था निर्वाचन

शनिवार को हुए नामांकन के दौरान पंकज चौधरी के प्रस्तावकों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत छह वरिष्ठ नेता शामिल थे। किसी अन्य प्रत्याशी के मैदान में न आने से उनका निर्विरोध निर्वाचन सुनिश्चित हो गया था, जिसकी औपचारिक घोषणा रविवार को की गई।

घने कोहरे ने तानी चादर नौ डिग्री पहुंचा पारा

- एक्सप्रेसवे और हाईवे पर 15 मीटर से भी कम हुई दृश्यता

नोएडा। औद्योगिक नगरी नोएडा रविवार सुबह घने कोहरे की चपेट में रही। तड़के से ही शहर और आसपास के इलाकों में सफेद धुंध की मोटी परत छा गई, जिससे जनजीवन के साथ-साथ यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो गई। सुबह करीब 10 बजे तक प्रमुख मार्गों पर वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर बेहद धीमी गति से चलना पड़ा। खुले और मैदानी इलाकों में दृश्यता घटकर 15 से 20 मीटर तक सिमट गई, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रही।

कोहरे के साथ वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति ने हालात और खराब कर दिए। धुंध के कारण नोएडा एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग-91 और एनएच-24 सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

घटाई गई वाहनों की गति सीमा

घने कोहरे को देखते हुए प्रशासन ने सोमवार से प्रमुख एक्सप्रेसवे और सड़कों पर वाहनों की गति सीमा घटाने का निर्णय लिया है। 15 दिसंबर की रात 12 बजे से यमुना एक्सप्रेसवे पर हल्के वाहनों की अधिकतम गति 100 किलोमीटर प्रति घंटे से घटाकर 75 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है, जबकि भारी वाहनों के लिए यह सीमा 60 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है। यह व्यवस्था 15 फरवरी तक लागू रहेगी। इसी तरह नोएडा एक्सप्रेसवे पर हल्के वाहनों की गति सीमा 75 किमी प्रति घंटा और भारी वाहनों की 50 किमी प्रति घंटा निर्धारित की गई है।

बीएस-4 डीजल वाहनों का प्रवेश निषेध

पुलिस उपायुक्त (यातायात) डॉ. प्रवीन रंजन सिंह ने बताया कि सभी एक्सप्रेसवे और प्रमुख सड़कों पर गति सीमा से संबंधित सूचना बोर्ड लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनसीआर में ग्रैप-4 लागू होने के कारण दिल्ली में प्रवेश करने वाले बीएस-3 और बीएस-4 डीजल वाहनों सहित कुछ श्रेणी के भारी मालवाहक वाहनों की एंट्री प्रतिबंधित कर दी गई है। इसके तहत चिल्ला, डीएनडी, कालिंदी कुंज और अशोक नगर समेत विभिन्न बॉर्डर प्वाइंट्स पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है और प्रतिबंधित वाहनों को वापस लौटाया जा रहा है। कई वाहन चालक, जो दूर-दराज के राज्यों से दिल्ली की ओर निकले थे, उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ रहा है!

भीषण हादसे में सगे भाइयों समेत चार की मौत

- अस्थि विसर्जन के लिए प्रयागराज जा रहे थे वाहन सवार
- तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने बोलेरो को पीछे से मारी टक्कर

हमीरपुर। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में दो सगे भाइयों सहित चार लोगों की जान चली गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना मौदहा क्षेत्र के इचौली गांव के पास उस समय हुई, जब पीछे से आ रही तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने बोलेरो वाहन को जोरदार टक्कर मार दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महोबा जिले के खन्ना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्योड़ी गांव निवासी एक परिवार अस्थि विसर्जन के लिए बोलेरो से प्रयागराज जा रहा था। परिवार की बुजुर्ग महिला का हाल ही में निधन हुआ था, जिसके बाद सभी परिजन धार्मिक अनुष्ठान के उद्देश्य से यात्रा पर निकले थे। इसी दौरान एक्सप्रेस-वे पर यह हादसा हो गया।

घायल की हालत नाजुक, रेफर

घायलों में राधेश्याम की हालत नाजुक बनी हुई है, जिसे बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर किया गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य कराया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद मृतकों के गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जंगल में चला रहे थे असलहा फैक्ट्री, मुठभेड़ में दो घायल

इटावा। जनपद इटावा के थाना बकेवर क्षेत्र अंतर्गत इकनौर के जंगल में चल रही अवैध असलहा फैक्टरी पर पुलिस ने छापा मारकर बड़ा खुलासा किया है। बकेवर पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई के दौरान हुई मुठभेड़ में दो शातिर बदमाश गोली लगने से घायल होकर गिरफ्तार कर लिए गए, जबकि एक अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने रविवार को बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि इकनौर के जंगल में अवैध रूप से हथियार बनाए जा रहे हैं, जिनकी आपूर्ति इटावा, औरैया सहित आसपास के जिलों में की जा रही है। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच और बकेवर थाना पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दबिश दी।

पुलिस को देखते ही बदमाशों ने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि तीसरा आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने मौके से 24 से अधिक निर्मित व अर्धनिर्मित अवैध हथियार, कारतूस, मोबाइल फोन और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सराय चोरी निवासी सज्जन और निवाड़ी निवासी अभिषेक कुमार के रूप में हुई है।

व्यापार जगत

टीवी की कीमतों पर महंगाई की मार

- मेमोरी चिप संकट और कमजोर रुपये से जनवरी से बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली। मेमोरी चिप की बढ़ती लागत और रुपये के लगातार अवमूल्यन का असर अब उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, अगले साल जनवरी से टेलीविजन की कीमतों में तीन से चार प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। हाल ही में रुपये का मूल्य पहली बार 90 प्रति डॉलर के स्तर को पार कर गया है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है।

उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक एलईडी टीवी में घरेलू मूल्य संवर्धन केवल लगभग 30 प्रतिशत है, जबकि ओपन सेल, सेमीकंडक्टर चिप और मदरबोर्ड जैसे प्रमुख घटक आयात किए जाते हैं। ऐसे में रुपये में गिरावट सीधे उत्पादन लागत को प्रभावित कर रही है और कंपनियों के सामने कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बच रहा है।

मेमोरी चिप संकट ने बढ़ाई मुश्किलें

टीवी की कीमतों पर असर डालने वाला एक बड़ा कारण वैश्विक मेमोरी चिप संकट भी है। एआई सर्वरों के लिए हाई-बैंडविड्थ मेमोरी (एचबीएम) की भारी मांग के चलते डीआरएएम और फ्लैश मेमोरी समेत सभी प्रकार की मेमोरी चिप्स की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है। हायर अप्लायंसेज इंडिया के अध्यक्ष एन. एस. सतीश ने बताया कि मेमोरी चिप की कमी और कमजोर रुपये के चलते एलईडी टीवी की कीमतों में करीब तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है। कुछ टीवी कंपनियों ने संभावित मूल्य वृद्धि को लेकर अपने डीलरों को पहले ही सूचित कर दिया है। थॉमसन, कोडक और ब्लाउपुंक्ट जैसे वैश्विक ब्रांडों के लाइसेंस रखने वाली सुपर प्लास्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (एसपीपीएल) के अनुसार, पिछले तीन महीनों में मेमोरी चिप की कीमतों में लगभग 500 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी के सीईओ अवनीत सिंह मारवाह ने कहा कि मेमोरी चिप संकट और रुपये के अवमूल्यन के संयुक्त प्रभाव से जनवरी से टीवी की कीमतों में सात से 10 प्रतिशत तक इजाफा हो सकता है।

YONO 2.0 के साथ SBI का बड़ा डिजिटल प्लान

दो साल में 20 करोड़ यूजर जोड़ने का लक्ष्य, जूनियर्स को चेयरमैन का टारगेट

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने अपने डिजिटल विस्तार को तेज करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। बैंक के चेयरमैन सी. एस. सेठी ने कहा है कि एसबीआई अगले दो वर्षों में YONO प्लेटफॉर्म के यूजर बेस को दोगुना कर 20 करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसके लिए सोमवार को YONO ऐप का नया संस्करण 'YONO 2.0' लॉन्च किया जा रहा है। एक साक्षात्कार में सेठी ने बताया कि YONO 2.0 एक बड़ा अपग्रेड है, जो ग्राहकों को अधिक सहज और बेहतर डिजिटल अनुभव देगा। यह एसबीआई के लिए एक मजबूत डिजिटल मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि YONO 2.0 की सभी सुविधाएं अगले 68 महीनों में चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएंगी।

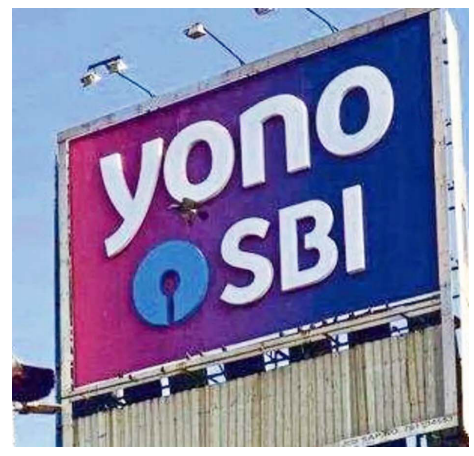

डिजिटलाइजेशन की रीढ़ बनेगा YONO 2.0

एसबीआई चेयरमैन के अनुसार, बैंक के नजरिए से YONO 2.0 डिजिटलाइजेशन का अहम आधार है। इसमें इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के लिए एक समान कोडिंग प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है, जिससे सभी डिजिटल और शाखा चैनलों के बीच निर्बाध एकीकरण संभव हो सकेगा। इससे बैंक नए प्रोडक्ट और सेवाएं तेजी से लॉन्च कर पाएगा। सेठी ने बताया कि फिलहाल YONO से जुड़े ग्राहकों की संख्या करीब 10 करोड़ है। लक्ष्य है कि अगले दो वर्षों में मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए 20 करोड़ ग्राहकों को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए बुनियादी ढांचे में बड़े स्तर पर निवेश किया जा रहा है, ताकि सभी चैनलों पर एक जैसा और सहज अनुभव मिल सके।

रेपो रेट कट के बाद ब्याज दरों में राहत

एसबीआई चेयरमैन ने दिसंबर की मौद्रिक नीति में आरबीआई द्वारा रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती के बाद भी 3 प्रतिशत शुद्ध ब्याज मार्जिन (NIM) हासिल करने को लेकर भरोसा जताया। रेपो कट के बाद एसबीआई ने भी 15 दिसंबर से अपनी रेपो से जुड़ी लोन दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 7.90 प्रतिशत कर दिया है। इसके साथ ही बैंक ने सभी अवधियों के लिए एमसीएलआर में भी 0.5 प्रतिशत की कटौती की है।

सी. एस. सेठी ने कहा कि बैंक को अगले कई वर्षों तक ऋण वृद्धि बनाए रखने और 15 प्रतिशत की पूंजी पर्याप्तता अनुपात को कायम रखने के लिए अतिरिक्त इक्विटी पूंजी की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने भरोसा जताया कि एसबीआई की मजबूत बैलेंस शीट और डिजिटल रणनीति बैंक को आगे बढ़ने में मदद करेगी।

SWIGGY ने क्यूआईपी से जुटाए 10 हजार करोड़ रुपए

नई दिल्ली। ग्रोसरी और फूड डिलीवरी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी स्विगी ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट (QIP) के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये की बड़ी पूंजी जुटाई है। कंपनी के अनुसार, इस इश्यू में घरेलू और वैश्विक निवेशकों की व्यापक और मजबूत भागीदारी देखने को मिली, जिससे निवेशकों के बीच स्विगी के कारोबारी मॉडल पर गहरे भरोसे की पुष्टि होती है।

स्विगी ने बताया कि इस फंडिंग राउंड में 21 म्यूचुअल फंड, आठ घरेलू बीमा कंपनियां और करीब 50 विदेशी संस्थागत निवेशक शामिल रहे। क्यूआईपी के बाद कंपनी के पास उपलब्ध नकदी बढ़कर लगभग 17,000 करोड़ रुपये हो गई है।

कंपनी ने इसे भारतीय कंज्यूमर-टेक सेक्टर की अब तक की सबसे बड़ी डील्स में से एक बताते हुए कहा कि यह किसी गैर-बैंकिंग कंपनी द्वारा भारत में किया गया दूसरा सबसे बड़ा क्यूआईपी है।

कंपनी के अनुसार, 80 से अधिक निवेशकों ने इश्यू में रुचि दिखाई, जबकि शेयरों का आवंटन 61 निवेशकों को किया गया, जिनमें 15 से अधिक नए निवेशक शामिल हैं। प्रमुख म्यूचुअल फंड निवेशकों में एसबीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एचडीएफसी, निप्पॉन इंडिया, कोटक, मिराए, एक्सिस और आदित्य बिड़ला म्यूचुअल फंड शामिल रहे। घरेलू बीमा कंपनियों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ और एचडीएफसी लाइफ ने भागीदारी की।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिसंबर के पहले दो हफ्तों में एफपीआई ने करीब 17,955 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसके साथ ही वर्ष 2025 में अब तक विदेशी निवेशकों की कुल निकासी बढ़कर लगभग 1.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एक से 12 दिसंबर के बीच विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजार से भारी पूंजी निकाली। इससे पहले नवंबर में भी एफपीआई ने 3,765 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी।

शीर्ष 10 में आठ कंपनियों का बाजार मूल्य ₹79,129 करोड़ घटा

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह देश की सबसे मूल्यवान दस कंपनियों में से आठ के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। कुल मिलाकर इन कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 79,129.21 करोड़ घट गया। इस दौरान बजाज फाइनेंस और आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक नुकसान झेलना पड़ा, जबकि सामान्य तौर पर बाजार में मंदी का रुख देखा गया। बीएसई का प्रमुख इंडेक्स पिछले सप्ताह 444.71 अंक यानी 0.51 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ।

टॉप-10 कंपनियों में केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों में बढ़त रही। अन्य कंपनियों में एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी के बाजार मूल्य में

गिरावट दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्य 19,289.7 करोड़ घटकर 6,33,106.69 करोड़ रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्य 18,516.31 करोड़ घटकर 9,76,668.15 करोड़ पर आ गया। भारती एयरटेल का बाजार मूल्य 13,884.63 करोड़ घटकर 11,87,948.11 करोड़ हुआ। एसबीआई का बाजार मूल्य 7,846.02 करोड़ घटकर 8,88,816.17 करोड़ रह गया। इंफोसिस का बाजार मूल्य 7,145.95 करोड़ घटकर 6,64,220.58 करोड़ पर आ गया। टीसीएस का बाजार मूल्य 6,783.92 करोड़ घटकर 11,65,078.45 करोड़ रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 4,460.93 करोड़ घटकर 15,38,558.71 करोड़ और एलआईसी का बाजार मूल्य 1,201.75 करोड़ घटकर 5,48,820.05 करोड़ हुआ।

वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 20,434.03 करोड़ बढ़कर 21,05,652.74 करोड़ और लार्सन एंड टुब्रो का बाजार मूल्य 4,910.82 करोड़ बढ़कर 5,60,370.38 करोड़ हो गया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

यशस्वी जायसवाल के शतक से मुंबई की शानदार जीत

हरियाणा को चार विकेट से हराकर मुंबई ने दर्ज की यादगार कामयाबी

पुणे। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की तूफानी शतकीय पारी के दम पर मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट 2025 के सुपर लीग ग्रुप बी मुकाबले में हरियाणा को चार विकेट से हरा दिया। यह मैच रविवार को पुणे के अम्बी स्थित डीवाई पाटिल अकादमी में खेला गया, जहां मुंबई ने 235 रन के विशाल लक्ष्य को 17.3 ओवर में ही हासिल कर लिया।

हरियाणा ने खड़ा किया 234 रन का बड़ा स्कोर

टॉस जीतकर मुंबई ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की टीम को कप्तान अंकित कुमार और अर्श रंगा ने मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। अर्श रंगा 26 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अंकित कुमार और निशांत सिंधु के बीच शतकीय साझेदारी हुई। अंकित कुमार ने 42 गेंदों पर 89 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। सामंत जाखड़ ने 14 गेंदों में 31 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुए। निशांत सिंधु ने 38 गेंदों में नाबाद 63 रन बनाए, जबकि सुमित कुमार 16 रन बनाकर नाबाद रहे। हरियाणा ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 234 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

यशस्वी और सरफराज की आक्रामक बल्लेबाजी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की टीम को अजिंक्य रहाणे और यशस्वी जायसवाल ने सधी हुई शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। रहाणे 10 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद यशस्वी जायसवाल ने सरफराज खान के साथ मिलकर आक्रामक बल्लेबाजी की और टीम का स्कोर छह ओवर में ही 100 के पार पहुंचा दिया। सरफराज खान ने 25 गेंदों में 64 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे।

यशस्वी का शतक, मुंबई की जीत पक्की

सरफराज के आउट होने के बाद यशस्वी जायसवाल ने एक छोर संभाले रखा और मात्र 48 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 50 गेंदों में 101 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 16 चौके और एक छक्का शामिल रहा। यशस्वी के आउट होने तक मुंबई जीत के बेहद करीब पहुंच चुकी थी। अंततः मुंबई ने 17.3 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 238 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वर्ल्ड स्कूल वॉलीबाल में चमके प्रयागराज के अब्दुल्ला और आदेश

चीन में आयोजित आईएसएफ अंडर-15 वर्ल्ड स्कूल वॉलीबाल चैम्पियनशिप में भारतीय बालक टीम ने जीता कांस्य पदक

प्रयागराज। चीन के शांगलुको में आयोजित आईएसएफ अंडर-15 वर्ल्ड स्कूल वॉलीबाल चैम्पियनशिप में भारत के बालकों की वॉलीबाल टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। वहीं भारतीय बालिका टीम ने सातवां स्थान प्राप्त किया है।

यह जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए), प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने रविवार को बताया कि 1972 के बाद पहली बार स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने वॉलीबाल खेल में बालक व बालिका दोनों टीमों को 'वर्ल्ड स्कूल वॉलीबाल चैम्पियनशिप' में भेजा है। जिसमें दोंनो वर्ग की टीमों ने देश का नाम गौरवान्वित करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। शुक्ल ने बताया कि भारतीय स्कूल बालक टीम में प्रयागराज जनपद के दो खिलाड़ी अब्दुल्ला और आदेश सिंह ने प्रतिभाग किया था। मंडौर, फूलपुर निवासी अब्दुल्ला के पिता मो.राजू मजदूरी करते हैं और वर्तमान समय में अब्दुल्ला भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) रायपुर, छत्तीसगढ़ के स्पोर्ट्स हॉस्टल में रहकर अभ्यास करते हैं। वहीं आदेश सिंह मूल रूप से अयोध्या, गोसाईगंज जनपद का निवासी है और इनके पिता नरेंद्र सिंह पुलिस विभाग में एसआई के पद पर कार्यरत हैं तथा आदेश सिंह वर्तमान समय में म्योहॉल स्पोर्ट्स हॉस्टल में वॉलीबाल प्रशिक्षु है। वहीं प्रयागराज के दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए ब्राजील को हराकर कांस्य पदक जीता है जो देश के लिए गर्व की बात है। प्रयागराज के दोंनो खिलाड़ियों का भारतीय वर्ल्ड स्कूल वॉलीबाल चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने पर पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी जॉर्डन.एच.नाथ, प्रभात राय, आर.पी.शुक्ला, केबीएल श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव, अल्ताफ अली, बी.एच.जैदी, हसीब अहमद, मो.यूनुस, राजितराम शुक्ला, बर्फी लाल यादव, सतेंद्र पांडेय, हरिकेश विश्वकर्मा, धनंजय राय, मुकेश शुक्ला व योगेश शर्मा आदि प्रयागराज के खिलाड़ियों ने बधाई के साथ अपनी शुभकामनाएं देकर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अंडर-19 एशिया कप

भारत ने पाकिस्तान को 90 रनों से रौंदा

एरॉन जॉर्ज की शानदार बल्लेबाजी और दीपेश-चौहान की घातक गेंदबाजी से बड़ी जीत

दुबई। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप 2025 के ग्रुप-ए मुकाबले में भारतीय टीम ने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 90 रनों से करारी शिकस्त दी। दुबई के आईसीसी एकेडमी ग्राउंड में खेले गए मैच नंबर-5 में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 240 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तानी टीम 41.2 ओवर में 150 रनों पर सिमट गई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खास नहीं रही और 29 रन पर पहला विकेट गिर गया। इसके बाद आयुष म्हात्रे और एरॉन जॉर्ज ने पारी को संभाला। आयुष ने 25 गेंदों पर 38 रन की तेज पारी खेली। मध्यक्रम के कुछ विकेट जल्दी गिरने के बाद एरॉन जॉर्ज ने अभिज्ञान कुंडू के साथ अहम साझेदारी निभाई। एरॉन जॉर्ज ने 88 गेंदों पर 12 चौके और एक छक्के की मदद से 85 रन की शानदार पारी खेलकर भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। अंत में कनिष्क चौहान ने 46 रनों की तूफानी पारी खेलते हुए टीम का स्कोर 240 तक पहुंचाया।

पाकिस्तान की पारी लड़खड़ाई

241 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने शुरुआती झटके देते हुए पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया। एक समय पाकिस्तान का स्कोर 30 पर तीन विकेट हो गया था। कप्तान फरहान यूसुफ और हुजैफा अहसान ने कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा। हुजैफा अहसान ने 70 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई खास समर्थन नहीं मिला।

दीपेश और कनिष्क की घातक गेंदबाजी

भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान ने तीन-तीन विकेट झटककर पाकिस्तान की कमर तोड़ दी। अन्य गेंदबाजों ने भी सटीक लाइन-लेंथ से गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तानी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ भारत ने अंडर-19 एशिया कप में पांच साल बाद पाकिस्तान को हराने में सफलता हासिल की।

अंडर-19 एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ नहीं बदली अपनी नीति

मैच के दौरान हाथ नहीं मिलाया, टॉस पर भी दिखी दूरी

दुबई। एशिया कप अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए बहुप्रतीक्षित मुकाबले के दौरान भारतीय टीम ने एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ हाथ नहीं मिलाने की अपनी नीति को बरकरार रखा। रविवार को दुबई स्थित आईसीसी अकादमी ग्राउंड में टॉस के समय भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे और पाकिस्तानी कप्तान फरहान यूसुफ ने एक-दूसरे से हाथ मिलाने से परहेज किया।

टॉस में भी दिखा राजनीतिक तनाव का असर

टॉस के दौरान दोनों कप्तानों के बीच औपचारिक अभिवादन तक नहीं हुआ, जिससे यह साफ संकेत मिला कि भारतीय टीम ने पूर्व की तरह इस मुकाबले में भी दूरी बनाए रखने का फैसला किया है। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय अंडर-19 टीम 46.1 ओवर में 240 रन पर ऑलआउट हो गई। भारतीय बल्लेबाजों ने संयमित शुरुआत के बाद मध्यक्रम में संघर्ष किया।

गिल नहीं, सूर्या की फॉर्म भारत के लिए बड़ी चिंता : मोहम्मद कैफ

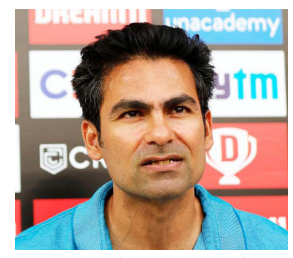

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद कैफ ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 से पहले भारतीय टीम के लिए शुभमन गिल की फॉर्म से ज्यादा चिंता का विषय सूर्यकुमार यादव को लेकर है। टी20 विश्व कप का 10वां संस्करण अगले साल 7 फरवरी से शुरू होगा और 8 मार्च को फाइनल खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका इस टूर्नामेंट की संयुक्त मेजबानी कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट आठ स्थानों (भारत में पांच और श्रीलंका में तीन) पर आयोजित होगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कैफ ने रविवार को एक्स पर लिखा, ₹टी20 विश्व कप नजदीक होने के कारण, भारत के लिए गिल की फॉर्म से ज्यादा चिंता का विषय सूर्या की फॉर्म है। भारत के पास सलामी बल्लेबाज के कई विकल्प हैं, लेकिन एक तय कप्तान को बदला नहीं जा सकता। दोनों बल्लेबाजों का इस साल टी20 में प्रदर्शन बहुत ही साधारण रहा है।

बॉलीवुड

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' का दबदबा कायम

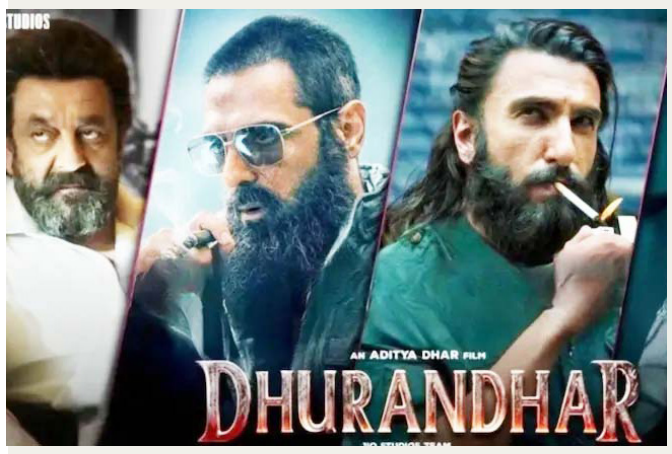

₹णवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। दूसरे शनिवार को फिल्म ने ऐसी जबरदस्त कमाई की है कि इसने न सिर्फ विक्की कौशल की 'छावा' के दूसरे शनिवार के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया, बल्कि अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। भले ही फिल्म की ओपनिंग बहुत बड़ी न रही हो, लेकिन जिस रफ्तार से इसकी कमाई बढ़ रही है, उससे साफ है कि साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'छावा' का नंबर-वन ताज अब खतरे में पड़ गया है।

आदित्य धर के निर्देशन में बनी 'धुरंधर' ने पहले हफ्ते में 207.25 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया था। आठवें दिन फिल्म ने 32.5 करोड़ रुपये कमाए, जो 'छावा' के आठवें दिन की 23.5 करोड़ की कमाई से कहीं ज्यादा थी। वहीं नौवें दिन यानी दूसरे शनिवार को फिल्म ने 53 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक कमाई करते हुए भारत में अपना कुल कलेक्शन 292.75 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया है। इस तरह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ क्लब के बेहद करीब पहुंच चुकी है, जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन 400 करोड़ की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

रणवीर सिंह के साथ-साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे कलाकारों से सजी इस फिल्म का बजट करीब 280 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। 'धुरंधर' अब निर्देशक आदित्य धर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है, जिसने उनकी सुपरहिट 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के 244.14 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है। इसी के साथ फिल्म के सीक्वल 'धुरंधर 2' का ऐलान भी हो चुका है। वहीं दूसरी ओर, कपिल शर्मा की 'किस किसको प्यार करूं 2' 12 दिसंबर को रिलीज हुई थी। दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया के बीच फिल्म ने पहले दिन 1.85 करोड़ और दूसरे दिन 2.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। अब तक यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 4.35 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है।

'धुरंधर 2' को लेकर आर. माधवन का बड़ा बयान

पहला पार्ट तो बस ट्रेलर था, असली खेल अभी बाकी

फिल्म 'धुरंधर' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। दर्शकों के जबरदस्त रिस्पॉन्स के बीच अब इसके दूसरे पार्ट को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई है। फिल्म में इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर अजय सान्याल का किरदार निभाने वाले आर. माधवन ने 'धुरंधर 2' को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में आर. माधवन ने कहा कि पहले पार्ट में जो कुछ दिखाया गया है, वह तो बस एक ट्रेलर था। असली कहानी और असली धमाका दूसरे पार्ट में देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि 'धुरंधर 2' में उनका किरदार और ज्यादा बड़ा होगा, जबकि रणवीर सिंह का रोल पहले से कहीं ज्यादा दमदार और प्रभावशाली नजर आएगा।

दूसरे पार्ट के प्लॉट पर बात करने से माधवन ने साफ इनकार किया, लेकिन रणवीर सिंह के किरदार को लेकर इशारा जरूर किया। उन्होंने कहा, 'मैं ज्यादा कुछ नहीं बता सकता, लेकिन इतना तय है कि पहला पार्ट तो सिर्फ झलक था, रणवीर को देखने का असली मजा दूसरे पार्ट में आएगा।' इस बयान के बाद फैंस की एक्साइटमेंट चरम पर पहुंच गई है।

जहां एक ओर फिल्म को लेकर विवाद भी हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कलाकारों की शानदार एक्टिंग की जमकर तारीफ हो रही है। रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी सहित सभी कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय किया है। खास तौर पर रहमान डकैत के किरदार में अक्षय खन्ना की परफॉर्मेंस को दर्शकों और समीक्षकों ने सराहा है। आदित्य धर के निर्देशन और लेखन में बनी इस फिल्म का बजट करीब 280 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

एक्टर अर्जुन रामपाल ने गर्लफ्रेंड से की सगाई

फिल्म 'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता के बीच अभिनेता अर्जुन रामपाल की निजी जिंदगी से जुड़ी एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। लंबे समय से साथ रह रहे अर्जुन और उनकी मॉडल गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रिएड्स ने अपने रिश्ते को आधिकारिक रूप दे दिया है। करीब छह साल तक डेटिंग करने के बाद अर्जुन ने खुद से 15 साल छोटी गैब्रिएला से सगाई कर ली है। इस बात का खुलासा खुद अर्जुन ने हाल ही में रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में किया।

रिया चक्रवर्ती ने इंस्टाग्राम पर अपने पॉडकास्ट 'चैप्टर 2' का ट्रेलर शेयर किया, जिसमें अर्जुन और गैब्रिएला अपनी लव स्टोरी, रिश्ते और परिवार को लेकर खुलकर बातचीत करते नजर आए। ट्रेलर में गैब्रिएला कहती हैं, ₹हमने अभी शादी नहीं की है, लेकिन कौन जानता है?₹ इसी दौरान अर्जुन सभी को चौंकाते हुए कहते हैं, ₹हमने सगाई कर ली है और इसका खुलासा हमने आपके शो में किया है।₹

प्यार को लेकर बात करते हुए गैब्रिएला ने कहा कि अक्सर रिश्तों में प्यार शर्तों के साथ जुड़ा होता है, लेकिन माता-पिता बनने के बाद यह पूरी तरह निःस्वार्थ हो जाता है। उनके मुताबिक, बच्चों के साथ प्यार बिना किसी अपेक्षा के होता है और यही असली प्रेम की पहचान है।

आकर्षण से आगे बढ़ा रिश्ता

गैब्रिएला ने साफ किया कि उनका रिश्ता सिर्फ बाहरी आकर्षण तक सीमित नहीं है। वहीं अर्जुन ने भी मुस्कुराते हुए माना कि शुरुआत में वह गैब्रिएला की खूबसूरती से आकर्षित हुए थे, लेकिन समय के साथ इस रिश्ते में समझ, गहराई और भावनात्मक जुड़ाव आ गया। अर्जुन और साउथ अफ्रीका की मॉडल व फैशन डिजाइनर गैब्रिएला साल 2018 से साथ हैं। उनके दो बेटे हैं, एरिक (जन्म 2019) और आरव (जन्म 2023)।

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रहा 'रामायण' यूनिवर्स अब और भी विशाल होने जा रहा है। इसी कड़ी में एक बड़ी और दिलचस्प खबर सामने आई है। सनी देओल भगवान हनुमान पर केंद्रित एक अलग म्यूजिकल फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसमें उनका अब तक का सबसे अनदेखा और दमदार अवतार देखने को मिलेगा। यह फिल्म 'रामायण ब्रह्मांड' में एक नया अध्याय जोड़ने वाली है, जो भव्यता, भावनाओं और संगीत के जरिए दर्शकों को एक बिल्कुल नया सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। रिपोर्ट के मुताबिक 'रामायण' यूनिवर्स की यह अगली फिल्म पूरी तरह से हनुमान पर केंद्रित होगी और इसमें सनी देओल मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह सिर्फ पौराणिक कहानी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें गाने और म्यूजिक का अहम रोल होगा। दमदार एक्शन, भावनात्मक रोमांस और म्यूजिकल एलिमेंट्स से सजी यह फिल्म 'रामायण' यूनिवर्स की दूसरी बड़ी फिल्म मानी जा रही है। हनुमान के किरदार में सनी का यह रूप उनके करियर के लिए भी नया और प्रभावशाली साबित हो सकता है। बताया जा रहा है कि जब निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी की टीम ने हनुमान से जुड़े शुरुआती सीन और स्क्रिप्ट पर काम किया, तो उन्हें महसूस हुआ कि यह किरदार इतना ताकतवर है कि इसे एक अलग फिल्म मिलनी चाहिए। इस रोल के लिए सनी देओल का नाम सबसे ऊपर रहा, क्योंकि उनके व्यक्तित्व, आवाज और स्क्रीन प्रेजेंस में हनुमान जैसी शक्ति और प्रभाव दिखता है।

निर्झरिणी ने थामे मासूम हाथ

संस्था ने अनाथ बच्चों के साथ बांटी खुशियां

दोपहर संवाददाता I मुंबई

मानवीय सरोकारों से भरी निर्झरिणी संस्था का इस बार डोंबिवली शहर के एक अनाथालय जाना हुआ। जननी आशीष चैरिटेबल ट्रस्ट... जिमखाना रोड पर स्थित डोंबिवली रेलवे स्टेशन के एकदम पास है। 1989 में स्थापित हुआ था। मतलब करीब 35 साल पुराना। यहां ऐसे बेसहारा बच्चों को पाला पोसा जाता है जिनके अपनों ने हमेशा के लिये उनसे नाता तोड़ लिया और चुपके से इस ट्रस्ट के बाहर लाकर उनको छोड़ गए। बेसहारा बच्चों की देखभाल करना और गोद लेने के माध्यम से उनका पुनर्वास करना, यही ट्रस्ट का मूल उद्देश्य है।

उपहार नहीं, अपनापन सबसे बड़ा तोहफा

लोग अलग-अलग तरह से इस ट्रस्ट को सहयोग करते हैं। कोई धन से कोई सामान देकर। एक समय का खाने के पैसे भी दे सकते हैं। निर्झरिणी संस्था ने भी आर्थिक मदद से इतर बच्चों को कपड़े , साबुन, शैम्पू जैसे जरूरी सामान और उपहार भेंट किए, लेकिन सबसे बड़ा उपहार रहा—स्नेह और अपनापन जो संस्था ने दिया भी पाया भी। निर्झरिणी संस्था ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को लगातार जारी रखने और अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंचने का संकल्प दोहराया।

निर्झरिणी संस्था की टीम पहुंची

दोपहर में पहुंची निर्झरिणी संस्था की टीम में अध्यक्ष अनु प्रकाश, मीनू अरोरा, स्वीटी हरेश गाड़ा, हरेश गाड़ा, अरुण लाल, सुजाता डोके, अमित बृज, देवेंद्रनाथ जैसवार, लोकेश चंद्रा सहित अन्य सदस्य शामिल थे। उन्होंने बच्चों के साथ पूरा दिन बिताया। ट्रस्ट की आबोहवा स्नेहिल थी, वात्सल्य और प्रेम में घुला। कोई बच्चा हंस रहा था, कोई चहक रहा था, तो कोई मस्ती के मूड में संगीत की स्वरलहरियों पर नाच रहा था। निर्झरिणी संस्था का भी यही उद्देश्य था बच्चों के चेहरों पर खुशियां बिखेरने का। संस्था के सदस्यों ने खेल, बातचीत और छोटे-छोटे मनोरंजक गतिविधियों से बच्चों के चेहरों पर खोई हुई मुस्कान लौटा दी। कई बच्चे पहली बार इतने लोगों का स्नेह पाकर भावुक हो उठे। कुछ घंटों के इस साथ ने बच्चों के जीवन में खुशियों के रंग भर दिए। निर्झरिणी संस्था की अध्यक्ष अनु प्रकाश ने बच्चों के बीच घंटों समय बिताया और इन बच्चों को अपनी गोद में घंटों रख लाड़ प्यार किया। एक बच्ची तो इनकी गोद में यूं लिपटी कि मानो बरसों बाद माँ से मिल रही हो।

लगभग 650 बच्चों को लिया गोद

जननी आशीष चैरिटेबल ट्रस्ट में संस्था की मुलाकात केयरटेकर से हुई। शोभा नाम बताया उन्होंने। सालों से जुड़ी हैं इस ट्रस्ट से। कुल 10-12 लोग नियमित 24 घंटे रहती हैं यहाँ। बाकी लोग आते-जाते सहयोग करते हैं। बच्चे बाल कल्याण समिति, ठाणे की संस्तुति से ही रखे जाते हैं यहां। आज के समय 50 से ज्यादा बच्चे हैं अनाथालय में। पिछले 35 वर्षों में जननी आशीष चैरिटेबल ट्रस्ट ने देश और विदेश में लगभग 650 बच्चों को गोद दिलाकर उनके जीवन को नई दिशा दी है। ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि 650 ऐसी कहानियां हैं जहां किसी बच्चे की सूनी आंखों में उम्मीद की रोशनी लौटी।शोभा ने बताया कि हर बच्चे को प्यार भरे परिवार में पलने-बढ़ने का अधिकार है, और इसी सोच के साथ वह इन नन्हे जीवनों को बेहतर भविष्य की ओर ले जाने का प्रयास कर रही है। पिछले चार वर्षों से संस्था 6 वर्ष तक की आयु के बच्चों की देखभाल भी कर रही है। चौबीसों घंटे नर्सों और आयाओं की टीम इन मासूमों की देखभाल ऐसे करती है जैसे वे उनके अपने हों। बच्चे इस अनाथालय में उसी तरह रखे जाते हैं जैसे घरों में बच्चे रखे जाते हैं।

बिना समस्याओं के जिंदगी कहाँ होती है

बातचीत में निर्झरिणी संस्था की मीनू अरोरा ने पूछा कि समस्याएं आती होंगी कभी-कभी बच्चों को पालने में? इस सवाल के जबाब में शोभा ने कहा कि बिना समस्याओं के जिंदगी कहाँ होती है? आप जैसे लोगों के सहयोग से हम ये सब कर पाते हैं। आप जरुरी सामान भी लाए और इन बच्चों से मिलने भी आए। बच्चे आर्थिक मदद से नहीं, भावनाओं से बड़े होते हैं। एक बच्चा दरवाजे से बाहर झाँक रहा था। सस्था के ट्रेजरर अरुणलाल ने उसे बुलाया। वह आ गया। दीवार से चिपक कर थोड़ा शरारती अंदाज में खड़ा रहा। उन्होंने नाम पूछा तो बताया उसने -संकेत। उन्होंने पूछा -पहाड़ा आता है ? उसने बताया -दस का आता है। फिर उन्होंने आठ का पहाड़ा सुनाने को कहा। उसने सुनाया। फिर उन्होंने पूछा- 'खेल क्या-क्या खेलती हो?' उसने बताया-' लुका छिपी और पकड़म पकड़ाई।' उससे बात करते हुए और तमाम बच्चे और बच्चियां वहां आ गयीं। सात-आठ बच्चे इकट्ठा हो गए। आपस में बात कर किसी बात पर हंसने लगे तो सबने फोटो लेनी चाही तो साथ की महिला ने मना किया। फोटो लेने की मनाही थी। नहीं ली फिर फोटो। लेकिन उन बच्चों की अनगढ़ हंसी अंकित हो गई मन में।

टेक्नोलाजी न्याय का साधन बने विकल्प नहीं : CJI सूर्यकांत

एजेंसी I कटक

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) सूर्यकांत ने न्याय व्यवस्था में प्रौद्योगिकी के संतुलित और सावधानीपूर्ण इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी का उद्देश्य मानवीय निर्णय क्षमता को मजबूत करना होना चाहिए, न कि उसे पूरी तरह प्रतिस्थापित करना। न्यायाधीशों और अदालतों की सहायता के लिए तकनीक का उपयोग हो, लेकिन फैसला अंततः मानवीय विवेक पर ही आधारित रहे।

न्याय तक आम आदमी की पहुंच पर मंथन

CJI सूर्यकांत ओडिशा के कटक में आयोजित संगोष्ठी 'आम आदमी के लिए न्याय सुनिश्चित करना: मुकदमेबाजी की लागत और देरी को कम करने की रणनीतियां' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अदालतों में बढ़ती देरी और महंगे मुकदमे को आम नागरिकों के लिए बड़ी चुनौती बताया। अपने संबोधन में CJI ने कहा कि लंबित मामलों की समस्या निचली अदालतों से लेकर संवैधानिक अदालतों तक पूरे न्यायिक ढांचे को प्रभावित कर रही है। शीर्ष स्तर पर दबाव बढ़ने से इसका असर नीचे तक जाता है, जिससे पूरी व्यवस्था पर बोझ पड़ता है।

▸▸ कोविड काल में तकनीक बनी सहारा

▸▸ तीनों स्तंभों में समन्वय जरूरी

न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की जरूरत

मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि बिना पर्याप्त अदालतों और संसाधनों के कोई भी ईमानदार न्यायिक प्रणाली दबाव में आकर कमजोर पड़ सकती है। लंबित मामलों को कम करने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा और पर्याप्त संख्या में अदालतें जरूरी हैं। CJI सूर्यकांत ने कोविड-19 महामारी के दौरान वर्चुअल सुनवाई के अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि उस कठिन समय में तकनीक ने न्याय व्यवस्था को चलाए रखने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि तकनीक के नकारात्मक पहलुओं और सीमाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

डिजिटल दुरुपयोग को लेकर चेतावनी

डिजिटल साक्ष्यों, डीप फेक और ऑनलाइन सिस्टम के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए CJI ने अदालतों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुधार अगर गरीबों, बुजुर्गों और तकनीक से अपरिचित लोगों को पीछे छोड़ देता है, तो वह सुधार नहीं बल्कि प्रतिगमन है। CJI सूर्यकांत ने कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक तीनों स्तंभ मिलकर काम नहीं करेंगे, तब तक कानून का शासन संतुलित नहीं रह सकता। समय पर सुनवाई के बिना न्याय अधूरा ही रहता है, चाहे कानून बन जाएं या प्रशासनिक कार्रवाई हो जाए।

दिल्ली रैली पर अनिल विज का हमला

'वोट चोर गद्दी छोड़' की तेरहवीं कर रही कांग्रेस: मंत्री

एजेंसी I चंडीगढ़

वोट चोरी के मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में भव्य रैली आयोजित की, जहां पार्टी नेताओं ने बीजेपी और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। इस रैली को लेकर हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी लगातार नाकामियों को छुपाने के लिए पहले से ही सियापा करती आ रही है और अब 'वोट चोर गद्दी छोड़' की तेरहवीं कर रही है। पत्रकारों से बातचीत में अनिल विज ने कहा कि देश में जहां-जहां भी चुनाव हुए हैं, वहां कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कभी ईवीएम पर सवाल उठाती है और अब वोट चोरी की बात कर रही है।

विधायकों से इस्तीफा लेने की दी चुनौती

मंत्री विज ने कहा कि जिन मतदाता सूचियों पर चुनाव लड़कर बीजेपी जीती है, वही मतदाता सूचियां कांग्रेस उम्मीदवारों के पास भी थीं। अगर मतदाता सूचियां गलत थीं, तो कांग्रेस को चाहिए कि जहां-जहां उसके विधायक जीते हैं, पहले उनका इस्तीफा ले और उसके बाद दिल्ली में रैली करे।

सुनील जाखड़ का भी कांग्रेस पर निशाना

पंजाब बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने भी कांग्रेस पर तीखा वार किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि जो कांग्रेस पार्टी वर्षों से ईवीएम को हैक बताती रही है, वही अब कथित वोट चोरी के खिलाफ रैली कर रही है। जाखड़ ने सवाल उठाया कि अगर ईवीएम हैक हैं, तो फिर वोट चोरी करने की जरूरत ही क्यों पड़ेगी। जाखड़ ने आगे कहा कि कांग्रेस को पहले यह तय करना चाहिए कि ईवीएम हैक हैं या वोट चोरी हो रही है। उनका दावा है कि अब कांग्रेस के अपने कार्यकर्ता भी पार्टी के वोट चोरी वाले आरोपों पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। उनके अनुसार, जन-प्रक्षीय नीतियों की कमी और पार्टी नेतृत्व पर घटता जनविश्वास ही कांग्रेस की हार के असली कारण हैं।

जूनागढ़ में 253 करोड़ के साइबर फ्रॉड का खुलासा

'ऑपरेशन म्यूल हंट' में 8 गिरफ्तार

एजेंसी I जूनागढ़

जूनागढ़ साइबर क्राइम पुलिस ने 'ऑपरेशन म्यूल हंट' के तहत 253 करोड़ के बड़े साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश किया है। इस मामले में अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक आरोपी पहले से सूरत जेल में बंद है, जिसे पूछताछ के लिए जूनागढ़ लाने की तैयारी की जा रही है। साइबर ठगी नेटवर्क की कई परतें खुली हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में पवन हिरानी, अल्ताफ समा, सोनू सोढा, चिराग साधु और रक्षित काछडिया शामिल हैं।

360 से ज्यादा बैंक खातों से करोड़ों की हेराफेरी

जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने 360 से अधिक बैंक खातों का इस्तेमाल कर करोड़ों रुपये की हेराफेरी की। यह गिरोह देश के अलग-अलग राज्यों में सक्रिय था और लोगों को ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाया जा रहा था।

▸▸ 1450 बिस्तरों के साथ मुफ्त ट्रांसप्लांट सुविधाएं

▸▸ पड़ोसी राज्यों के मरीजों को भी मिलेगा लाभ

एजेंसी I इंदौर

मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। इंदौर के महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवाय अस्पताल) परिसर में 773.07 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 1450 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक अस्पताल का भूमि पूजन रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा के नेतृत्व में देश और प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर विस्तार हुआ है। इंदौर मध्य प्रदेश का गौरव है और एमवाय अस्पताल की राज्यभर में विशेष पहचान है।

इंदौर में 773 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक अस्पताल

नया अस्पताल, क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती

नए अस्पताल के निर्माण से न केवल इंदौर बल्कि पड़ोसी राज्यों के सीमावर्ती जिलों के मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग को एकीकृत कर व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। एमवाय अस्पताल में बोनमैरो और किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के निर्देश दिए।

नए अस्पताल भवन में अत्याधुनिक बिस्तर व्यवस्था

नए अस्पताल भवन में मेडिसिन और सर्जरी विभाग में 330-330 बिस्तर, ऑर्थोपेडिक्स में 180, शिशु रोग सर्जरी में 60, शिशु रोग वार्ड में 100, न्यूरो सर्जरी में 60, ईएनटी में 30, दंत और त्वचा रोग विभाग में 20-20, मातृ एवं शिशु वार्ड में 100, नेत्र वार्ड में 80 तथा इमरजेंसी मेडिसिन के लिए 180 बिस्तरों की सुविधा होगी। इसके साथ ही परिसर में 550 बिस्तरों का नर्सिंग हॉस्टल, 250 सीटर मिनी ऑडिटोरियम, सार्वजनिक पार्किंग, सोलर पैनल, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और आधुनिक जल आपूर्ति व्यवस्था भी विकसित की जाएगी। यह परियोजना इंदौर को प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा केंद्र के रूप में और सुदृढ़ करेगी।